● वर्ष-4
● अंक-47
रायपुर, बुधवार
02 अक्टूबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

पेज-6»»» रबी फसलों को पिलाएं संतुलित जल

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए मतदान खत्म

कुल वोटिंग ने 2024 लोस के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा

जम्मू। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए मतदान मंलवार को संपन्न हो गया। चुनाव आयोग ने बताया कि कुल मतदान ने 2024 के लोकसभा के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। शाम सात बजे तक तीसरे चरण के मतदान में 65.58त्न मतदान हुआ। हालांकि, अंतिम आंकड़े आने पर मतदान प्रतिशत बदल सकता है। आयोग ने यह बताया कि अभी तक कोई पुनर्मतदान नहीं हुआ है।

मंलवार को तीसरे चरण चरण में सात जिलों की 40 सीटों के लिए वोटिंग कराई गई। इसके साथ ही तीसरे चरण में उतरे 415 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई। तीसरे दौर में सबसे ज्यादा 11 सीटें जम्मू जिले में रहीं। इसके बाद बारामुला में सात, कुपवाड़ा और कठुआ की छह-छह, उधमपुर की चार और बांदीपोरा और सांबा की तीन-तीन विधानसभा सीटें रहीं, जहां मंगलवार को मतदान हुआ।

पहले दो चरणों का हाल

इससे पहले 25 सितंबर को दूसरे चरण में जम्मू कश्मीर के छह जिलों में 57.31 फीसदी मतदान हुआ था। वहीं 18 सितंबर को हुए पहले चरण में 61.38 फीसदी मतदान हुआ था।

इनके बीच मुकाबला

जम्मू कश्मीर में मुख्य मुकाबला भाजपा, कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस (गठबंधन), पीडीपी के बीच माना जा रहा है। भाजपा ने जम्मू में जहां सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। वहीं, दूसरी ओर कश्मीर में कुछ ही सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए गए हैं। महबूबा मुफ्ती की पीडीपी दोनों क्षेत्रों में चुनाव लड़ रही है। इसके अलावा अन्य छोटे दलों ने भी मुकाबले को दिलचस्प बनाने की कोशिश की है।

जिला	सीट	मतदान % (आंकड़े अंतिम नहीं)
बांदीपोरा	बांदीपोरा	58.6
बांदीपोरा	गुरेज (एसटी)	75.89
बांदीपोरा	सोनावरी	65.56
बारामुला	बारामुला	47.95
बारामुला	गुलमर्ग	64.19
बारामुला	पत्तन	60.87
बारामुला	रफियाबाद	58.39
बारामुला	सोपोर	41.44
बारामुला	उरी	64.81
बारामुला	वागुरा - क्रीरी	56.43
जम्मू	अखनूर (एससी)	76.28
जम्मू	बाहु	57.07
जम्मू	बिश्नाह (एससी)	72.75
जम्मू	छंब	77.35
जम्मू	जम्मू पूर्व	60.21
जम्मू	जम्मू उत्तर	60.79
जम्मू	जम्मू पश्चिम	56.31
जम्मू	मढ़ (एससी)	76.1
जम्मू	नगरोटा	72.94
जम्मू	आरएस पुरा- जम्मू द.	61.65
जम्मू	सुचेतगढ़ (एससी)	68.02
कठुआ	बनी	71.24
कठुआ	बसोहली	67.24
कठुआ	बिलावर	69.64
कठुआ	हीरानगर	71.18
कठुआ	जसरोटा	71.79
कठुआ	कठुआ (एससी)	71.49
कुपवाड़ा	हंदवाड़ा	69.06
कुपवाड़ा	करनाह	66.3
कुपवाड़ा	कुपवाड़ा	59.68
कुपवाड़ा	लंगेट	59.81
कुपवाड़ा	लोलाब	61.22
कुपवाड़ा	त्रेहगाम	62.27
सांबा	रामगढ़ (एससी)	73.1
सांबा	सांबा	71.16
सांबा	विजयपुर	73.05
उधमपुर	चिनैनी	73.79
उधमपुर	रामनगर (एससी)	70.38
उधमपुर	उधमपुर पूर्व	74.07
उधमपुर	उधमपुर पश्चिम	73.2

आधी रात ईरान-इजरायल में छिड़ा युद्ध, अमेरिका भी कूदा

इस्राइल पर ईरान का मिसाइल हमला, नेताओं की हत्या का बदला लिया: आईआरजीसी

ईरान। ईरान ने इज़रायल की ओर 400 से अधिक मिसाइलों की बौछार कर दी, जिससे पूरे देश में सायरन बज उठे। ईरान ने इसे इस्माइल हानिया और हसन नसरल्लाह की मौत का बदला बताया है। ईरान के डॉयरेक्ट अटैक के बाद वहीं अब इस जंग में अमेरिका की भी एंट्री होती दिख रही है। अमेरिका ने इजरायल को मदद करने की पेशकश की है। अमेरिका ने पहले ही ये कह दिया था कि अगर इजरायल पर अटैक होता है तो इस जंग में इजरायल के साथ अमेरिका खड़ा है। अब अमेरिका की तरफ से बयान भी सामने आ गया है।

व्हाइट हाउस ने एक बयान जारी कर कहा है कि ईरान की तरफ से मिसाइलें दागने के बाद राष्ट्रपति बाइडेन ने अमेरिकी सेना को उन्हें मार गिराने का आदेश दिया है। अमेरिका ने क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ाई है और 13 अप्रैल को इडरायल पर हुए पिछले ईरानी हमले के दौरान भी मिसाइलों को गिराने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

इजरायल और अमेरिका के बीच के रिश्तें दुनिया में किसी से भी छिपे नहीं हैं। ज्यूश के साथ अमेरिका खड़ा है। अमेरिका इस बात की पुष्टि पहले भी कर चुका है कि अगर ईरान ने इस युद्ध में खुद को शामिल किया तो अमेरिका भी इस युद्ध में इजरायल के साथ खड़ा होगा। ऐसे में अगर दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका इजरायल के साथ खड़ा होता है तो मीडिल ईस्ट में ईरान और अन्य देशों के लिए एक बड़ा जोखिम लेने के बराबर होगा।

इस्राइली सेना के अनुसार देश में कई जगहों पर चेतावनी की सायरन बज रहे हैं, उसने नागरिकों को सतर्क रहने और होम फ्रंट कमांड के निर्देशों का ठीक से पालन करने का निर्देश दिया है। आईडीएफ के अनुसार, कुछ देर पहले ही होम फ्रंट कमांड ने देश भर के कई क्षेत्रों में जीवन रक्षक निर्देश जारी किए हैं। आईडीएफ ने साथ ही कहा कि इस्राइल के नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है और करेगा। आईडीएफ के अनुसार, सभी इस्राइली नागरिक बम शेल्टर होम में हैं क्योंकि ईरान से इस्राइल पर रॉकेट दागे जा रहे हैं।

वहीं एपी के मुताबिक, ईरान ने कहा कि उसने हिजबुल्ला नेता और हमास अधिकारी की हत्या का बदला लेने के लिए इस्राइल पर दर्जनों मिसाइलें दागीं।

इस्राइल बचाव और जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार

इस्राइली सैन्य प्रवक्ता डेनियल हैगरी ने बताया कि इस्राइली सेना ईरानी हमले का बचाव और जवाबी कार्रवाई करने के लिए पूरी तरह तैयार है, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह समयबद्ध तरीके से किया जाएगा।

आईडीएफ प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि अमेरिका से इनपुट मिला है कि ईरान इस्राइल पर मिसाइल दागने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमने पहले भी इस खतरे का डटकर सामना किया है और अब भी हम इसका सामना करेंगे। आईडीएफ रक्षात्मक और आक्रामक क्षमताओं के साथ तैयार है। वायु सेना आसमान में गश्त कर रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ मिलकर हम ईरान पर नजर रख रहे हैं। उन्होंने जनता से आईडीएफ के निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

वहीं अमेरिका का कहना है कि हम इस्राइल की मदद करने के लिए तैयार हैं। अमेरिका से इनपुट मिलने के बाद इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस्राइल के लोगों से कहा है कि बड़ी चुनौतियां आने वाली हैं। इसलिए सभी लोग होम कमांड के निर्देशों का पालन करें। साथ ही एक साथ मजबूती से खड़े रहें। उन्होंने कहा कि हम एक साथ खड़े रहेंगे, एक साथ लड़ेंगे और जीतेंगे।

ईरान पर बढ़ रहा दबाव

इस्राइल की ओर से हिजबुल्ला पर की गई कार्रवाई को लेकर ईरान बौखलाया हुआ है। क्योंकि हिजबुल्ला को खड़ा करने में ईरान की भूमिका रही है। हिजुबल्ला प्रमुख की मौत ईरान के लिए बड़ा झटका है। ईरान ने हिजबुल्ला को तैयार करने में 40 साल लगाए हैं और अब ईरान नहीं चाहेगा कि उसकी चालीस साल की मेहनत बर्बाद हो जाए। साथ ही ईरान ने यमन में हूती और सीरिया में भी अपने प्रोक्सी समूह तैयार किए हैं।

15 नवंबर को छग के हर जिले में मनाया जाएगा जनजातीय गौरव दिवस : साय

रायपुर. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को छत्तीसगढ़ के हर जिले में 'जनजातीय गौरव दिवस' मनाने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुण्डा की स्मृति में जनजातीय गौरव दिवस मनाने का निर्णय लिया है। इस वर्ष भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती है। छत्तीसगढ़ में भी इसे भव्य रूप से मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री आज राजधानी रायपुर के न्यू सर्किट हाउस में

'जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत, ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने की। विधायक श्री भईयालाल राजवाड़े विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है। यह सोचकर गर्व होता है कि अनेक महान स्वतंत्रता सेनानियों का जन्म जनजातीय समाज में हुआ। अपने देश के लिए संघर्ष करने की परम्परा जनजातीय समाज में प्रारंभ से रही है। शहीद वीर नारायण सिंह, गैंदसिंह, गुण्डाधूर जैसे अनेक महान नायकों ने अपना बलिदान दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया आज जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौतियों से गुजर रही है। ऐसे में प्रकृति का संरक्षण बहुत आवश्यक है। जनजातीय समाज ने हमें प्रकृति के संरक्षण का मार्ग दिखाया है, जो आज भी अनुकरणीय है। जनजातीय समाज में प्रकृति की पूजा की जाती है। पूर्वी छत्तीसगढ़ में साल के पेड़ में जब फूल आते है तो सरहुल पर्व मनाया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय संस्कृति में गहरी आध्यात्मिकता छिपी है। प्रकृति को सहेजकर, प्रकृति के अनुकूल जीवन जीना। बड़े-छोटे, स्त्री-पुरुष में किसी तरह का भेदभाव नहीं।

प्रमुख समाचार

केंद्र ग्रामीण विकास निधि के बकाये का जल्द भुगतान करे

नई दिल्ली। पंजाब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करके केंद्र से ग्रामीण विकास निधि के बकाया एक हजार करोड़ रुपये का जल्द भुगतान कराने की मांग की है। पंजाब सरकार ने कहा है कि बजट न मिलने से पंजाब में फसल की खरीद का काम प्रभावित हो सकता है। ग्रामीण विकास निधि के तहत बजट न मिलने से परेशान पंजाब सरकार ने अब केंद्र सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। पंजाब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करके केंद्र से ग्रामीण विकास निधि के बकाया एक हजार करोड़ रुपये का जल्द भुगतान कराने की मांग की है। पंजाब सरकार ने कहा है कि बजट न मिलने से पंजाब में फसल की खरीद का काम प्रभावित हो सकता है। सरकार ने शीर्ष अदालत से जल्द से जल्द याचिका पर सुनवाई करने की मांग की है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ के सामने पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह की ने कहा कि राज्य में आगामी फसल के मौसम और मंडियों की खराब स्थिति को ध्यान में रखते हुए याचिका पर सुनवाई की जरूरत है।

गाय को राजमाता घोषित करने पर शंकराचार्य ने थपथपाई शिंदे की पीठ

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार की ओर से गाय को राज माता का दर्जा देने के लिए ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पीठ थपथपाई है। उन्होंने सोमवार को कहा कि एकनाथ शिंदे ने वह कर दिखाया जो भारत के भविष्य का संकेत है। मुंबई के उपनगर ठाणे में आयोजित सनातन राष्ट्र सम्मेलन में धर्माचार्यों, साधु - संतों ने मांग की कि अब केंद्र सरकार भी गाय को राष्ट्रमाता घोषित करे। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने कहा कि 78 साल में कई प्रधानमंत्री और कई मुख्यमंत्री हुए। लेकिन जो शिंदे ने कर दिखाया वह काम कोई नहीं कर पाया। उन्होंने कहा कि गाय हिंदुओं की न सिर्फ माता, बल्कि आत्मा है। राष्ट्रीय चिह्न और सिंगोल में बैल की छवि अंकित है। फिर भी देश में गौ हत्या होती है। उसकी बात करना देश में अपराध हो गया है। गाय को राज माता का दर्जा देकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने करोड़ों बहुसंख्यकों की भावना आदर किया है। हमें बहुत प्रसन्नता हुई है। हम उनको ढेर सारा आशीर्वाद देते हैं।

हरियाणा चुनाव पर गुरमीत राम रहीम का कितना असर

नई दिल्ली। दुष्कर्म और हत्या जैसे मामलों में सजायाफ्ता गुरमीत राम रहीम की परोल याचिका को स्वीकार कर लिया है। राम रहीम की ओर से यह याचिका हरियाणा सरकार के पास दाखिल की गई थी, लेकिन चुनावी समय होने के कारण इस पर अंतिम निर्णय चुनाव आयोग ही ले सकता था। अब चुनाव आयोग के द्वारा भी इसको स्वीकार कर लिए जाने के बाद राम रहीम के बाहर आने का रास्ता साफ हो गया है। माना जा रहा है कि 20 दिन की परोल स्वीकार होने के बाद राम रहीम दो अक्टूबर को जेल से बाहर आ सकता है। पांच अक्टूबर को हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा। परोल के दौरान वह चुनाव को कितना प्रभावित कर पाएगा, इस पर अभी से तरह-तरह की चर्चा शुरू हो गई है। कांग्रेस ने राम रहीम की परोल याचिका का विरोध किया था। पार्टी ने इसे विधानसभा चुनाव को प्रभावित करने वाली कार्रवाई बताया था। कांग्रेस की आपत्तियों को देखते हुए राम रहीम को परोल देते हुए चुनाव आयोग ने उसके कोई बयान जारी करने, किसी चुनावी सभा में शामिल होने, सोशल मीडिया या वीडियो के माध्यम से कोई संदेश जारी करने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

भारत ने दूसरा मैच जीतने के साथ बांग्लादेश का किया सूपड़ा साफ

कानपुर। ने बांग्लादेश को कानपुर टेस्ट में सात विकेट से हराकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली है। टीम इंडिया को 95 रन का लक्ष्य मिला था, जिसे रोहित एंड कंपनी ने तीन विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में 233 रन बनाए थे। जवाब में भारत ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 285 रन बनाकर घोषित कर दी थी। भारत को तब 52 रन की बढ़त मिली थी। दूसरी पारी में बांग्लादेश की टीम ने 146 रन बनाए और भारत के सामने 95 रन का लक्ष्य दिया था। टेस्ट में आधिकारिक तौर पर एक दिन में 90 ओवर फेंके जाते हैं। बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में 74.2 ओवर, भारत ने अपनी पहली पारी में 34.4 ओवर, बांग्लादेश ने अपनी दूसरी पारी में 47 ओवर और भारत ने अपनी दूसरी पारी में 17.2 ओवर खेले। इन सभी को मिला दें तो लगभग 174 ओवर बनते हैं और यह दो दिन के कुल ओवरों (180) से भी कम है। भारत ने इस टेस्ट में साहसिक खेल दिखाया। पहले दिन 35 ओवर का ही खेल हो पाया था।

सिद्धारमैया के खिलाफ केस करने भाजपा पर भड़की कांग्रेस

नई दिल्ली। मुडा मामले में एक ओर जहां कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की मुसिबत बढ़ती जा रही है। वहीं, दूसरी ओर पूरी कांग्रेस उनके समर्थन में खड़ी है। कांग्रेस ने मोदी सरकार पर आयकर विभाग, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मामलों सहित मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को निशाना बनाकर कई जांच कार्रवाइयों के माध्यम से कर्नाटक सरकार को अस्थिर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। पार्टी ने इसे प्रतिशोध और उत्पीड़न की राजनीति करार दिया और दावा किया कि इसका उद्देश्य कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार को डराना है। मामले में चल रहे सियासी घमासान पर बोलते हुए कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा ये कर्नाटक की जनता पर आक्रमण है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जनता ने भाजपा को बहुमत नहीं दिया, और ये पीएमएलए ले आए। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार आने के पहले दिन से भाजपा सरकार कोशिश कर रही है कि कर्नाटक की सरकार को अस्थिर किया जाए। भाजपा प्रतिशोध की राजनीति कर रही है.

एसआईटी ने बंगाल में की छापेमारी; प्लास्टिक कचरे से बनाई गईं ग्रामीण सड़कें

आंध्र प्रदेश में पिछली वाईएसआरसीपी के दौरान प्रसिद्ध तिरुपति लड्डू (पवित्र मिठाई) बनाने के लिए पशु चर्बी के कथित उपयोग की विशेष जांच दल (एसआईटी) गहन जांच करेगी। एसआईटी प्रमुख सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने सोमवार को कहा कि टीम तमिलनाडु स्थित एआर डेयरी की जांच करेगी, जिसने कथित तौर पर मिलावटी घी की आपूर्ति की थी, जबकि इसके खिलाफ तिरुपति पूर्व पुलिस स्टेशन में दर्ज मामला पहले ही एसआईटी को स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्होंने कहा, %एसआईटी अधिकारियों ने मामले की जांच के लिए तीन टीमें गठित की हैं। हम मिलावटी घी के लिए जिम्मेदार हर व्यक्ति की जांच करेंगे और रिपोर्ट सौंपने के लिए कोई निश्चित समय अवधि नहीं है।% गुंटूर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) ने कहा कि एसआईटी अधिकारी तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड के सदस्यों, अधिकारियों और कार्यकर्ताओं सहित सभी से पूछताछ करेंगे। जांच के हिस्से के रूप में, एसआईटी अधिकारियों के कई स्थानों का दौरा करने की उम्मीद है, जिसमें तमिलनाडु में एआर डेयरी फूड्स भी शामिल है।

तेलंगाना में सहिति इन्फ्राटेक के एमडी गिरफ्तार

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कहा कि उसने तेलंगाना स्थित रियल एस्टेट कंपनी सहिति इन्फ्राटेक वेंचर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसआईवीआईपीएल) के मैनेजिंग डायरेक्टर बूडाती लक्ष्मीनारायण को प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया है। यह मामला 360 करोड़ रुपये के घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी से जुड़ा है। ईडी ने कहा कि लक्ष्मीनारायण को हैदराबाद के नामपल्ली में विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां उन्हें 14 अक्टूबर तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस मामले में ईडी ने पहले 161 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की थी।

राजकोट की जलाराम बेकरी में आग लगने से दो लोग घायल

राजकोट की सिंधी कॉलोनी स्थित जलाराम बेकरी में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात को एक विस्फोट के बाद आग लग गई। हादसे में दो लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राजकोट के प्रभारी मुख्य अग्निशमन अधिकारी अमित दवे ने बताया कि हमें जलाराम बेकरी में आग लगने की सूचना फोन पर मिली थी। सूचना के तुरंत बाद मौके पर फायर कर्मियों को रवाना किया गया, जिन्होंने बेकरी की बाहरी स्टॉल पर लगी आग को बुझा दिया। उन्होंने बताया कि जलाराम बेकरी कॉर्नर के पास से एक जीएसपीसी गैस लाइन गुजरती है। गैस रिसाव के कारण यहां एक विस्फोट भी हुआ है। पुलिस इसके पीछे के कारण की जांच कर रही है।

स्थानीय भाषाओं में भारतजेन परियोजना शुरू

केंद्र ने लोगों को विभिन्न भारतीय भाषाओं में जेनरेटिव एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) उपलब्ध कराने के लिए भारतजेन नाम से एक परियोजना शुरू की है। इस मौके पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह अपनी तरह की दुनिया की पहली राज्य वित्त पोषित परियोजना है। यह परियोजना आईआईटी बॉम्बे के नेतृत्व में शुरू की गई है। इसका उद्देश्य एक ऐसा जेनरेटिव एआई प्रणाली तैयार करना है जो विभिन्न भारतीय भाषाओं में उच्च गुणवत्ता वाले मूलपाठ (टेक्स्ट) और विविध सामग्री उत्पन्न कर सके। इस पहल की शुरुआत प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार एके सूद, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव अभय करंदीकर, दूरसंचार विभाग के सचिव नीरज मित्तल सहित अन्य लोगों ने की।

लिंग परिवर्तन सर्जरी के लिए आयु 18 वर्ष होना अनिवार्य

देश में लिंग परिवर्तन सर्जरी के लिए अब चिकित्सा मानकों का पालन करना अनिवार्य होगा। केंद्र ने ट्रांसजेंडर के चिकित्सा उपचार को लेकर नए मानक जारी किए हैं, जिसके तहत सर्जरी के लिए कम से कम 18 वर्ष की न्यूनतम आयु को अनिवार्य किया है। लेकिन इससे पहले, मरीज को कम से कम एक साल तक हार्मोन थेरेपी लेनी होगी। स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. अतुल गोयल ने बताया कि लिंग विसंगति के उपचार में लिंग पुष्टिकरण सर्जरी की अहम भूमिका है। विभिन्न सर्जिकल फेशियल, पुनर्निर्माण सर्जरी, छाती और जननांग सर्जरी के जरिए पुरुष से महिला या महिला से पुरुष का स्वरूप दिया जा सकता है, लेकिन यह फैसला सभी नियमों के दायरे में होने चाहिए।

भारतपे से किसी तरह नहीं जुड़े रहेंगे अशनीर

फिनटेक कंपनी भारतपे ने अपने पूर्व सह संस्थापक अशनीर ग्रोवर के साथ विवादों पर शर्तों के साथ समझौता कर लिया है। शर्तों के तहत ग्रोवर कंपनी में किसी भी तरह से जुड़े नहीं रहेंगे और न ही उसकी शेयरहोल्डिंग का हिस्सा होंगे। भारतपे ने बयान में कहा, ग्रोवर के कुछ शेयर कंपनी के लाभ के लिए 'रेसिलिएंट ग्रोथ ट्रस्ट' को ट्रांसफर किए जाएंगे। उनके बाकी बचे शेयरों का उनका पारिवारिक ट्रस्ट प्रबंधन करेगा। भारतपे के बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने विवादों पर फाइल केस को आगे न बढ़ाने का फैसला किया है।

मोबाइल किस्त न भरने पर खूनी संघर्ष एक ही परिवार के 4 शख्स घायल

भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में इन दिनों चाकूबाजी व कटर से हमले की वारदातें आम हो गई हैं। बीती रात खुर्सीपार में मामूली विवाद में तलवार और कटर चल गया। इस घटना में 4 लोग घायल हो गए हैं। इनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिसे शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में खुर्सीपार पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

सीएसपी हरीश पाटिल ने बताया कि सोमवार आधी रात के बाद लगभग 1 बजे की घटना बताई जा रही है। खुर्सीपार थाना क्षेत्र के शहीद वीर नारायण चौक पास की यह घटना है। खुर्सीपार के सेलून संचालक ने अपने पास काम करने वाले सतीश सेन को मोबाइल फाइनेंस कराकर दिया था। वह उसके पैसे नहीं दे रहा था। इसी बात को लेकर विवाद था और इसके कारण यह पूरी घटना घटी।

सीएसपी हरीश पाटिल ने कहा दो पक्षों में विवाद के बाद धारदार हथियार से जानलेवा हमला हुआ। एक ही परिवार के 4 लोग घायल हुए हैं। सतीश सेन की हालत गंभीर है। इस मामले में 3 आरोपी हैं। धीरज सेन और उसके बेटों ने हमला किया। इनके बीच मोबाइल के पैसे को लेकर विवाद हुआ।

सीएसपी ने कहा कि सेलून संचालक अपने साथियों के साथ सतीश के घर पहुंचा और उसे बाहर बुलाया। दो युवक शास्त्री नगर साक्षरता चौक से वहां पहुंचे और सतीश सेन को बाहर बुलाकर हमला कर दिया। इस दौरान बीच बचाव करने पहुंचे तीन लोगों को भी चोट लगी।

सतीश सेन को कटर व तलवार से मारा गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद घायलों को सुपेला शास्त्री अस्पताल पहुंचाया गया। सतीश सेन को श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है और अन्य की तलाश जारी है।

दो दिन पहले कैंप 1 स्थित शास्त्री नगर में आधी रात को पुरानी रंजिश के कारण विवाद हुआ था। इस दौरान चाकू बाजी हुई और दो युवकों को चाकू लगा। चाकूबाजी में घायल दोनों युवकों को शास्त्री अस्पताल सुपेला ले जाया गया, यहां एक युवक को प्रारंभिक इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। वहीं दूसरे युवक को गंभीर हालत में बीएम शाह अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। घटना की सूचना के बाद छावनी पुलिस मौके पर पहुंची। इस मामले में अब तक चार संदेहियों को हिरासत में लिया गया है।

शास्त्री कैंप-1 में रविवार रात को एक गुपचुप ठेला लगाने वाले युवक से भी मारपीट हुई। प्रगति नगर केंप 2 में अनिल आटा चक्की पास रहने वाला युवक अशोक गुप्ता शास्त्री नगर शास्त्री नगर केम्प 1 दुर्गा मंच के पास गुपचुप ठेला लगाता है। रविवार रात लगभग 8 बजे गोपी, राजू और अन्य लोग उसके पास पहुंचे। इन लोगों ने गुपचुप खाकर पैसे नहीं दिए। पैसे मांगने पर सभी ने मिलकर गालीगलौच और मारपीट की। इस मामले में शिकायत के बाद गोपी, राजू और अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

छत्तीसगढ़ में फर्जी बैंक का भंडाफोड़

एसबीआई बैंक का फर्जी ब्रांच खोलकर लोगों से कर रहे थे ठगी

सक्ती। जिले के छपोरा में फर्जी एसबीआई बैंक चलाने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। आरोपी मालखरौदा थाना क्षेत्र के छपोरा गांव में फर्जी तरीके से भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का संचालन कर रहे थे। आरोपियों ने बेरोजगार युवाओं को निशाना बनाते हुए एसबीआई में नौकरी देने के नाम पर लाखों रुपये ठग लिए थे।

जानकारी के अनुसार, इस फर्जी बैंक की शुरुआत महज एक सप्ताह पहले ही की गई थी, जिसमें लोगों से खाते खोलने के लिए फार्म भरवाए जा रहे थे। इस बीच समय रहते डभरा एसबीआई ब्रांच की टीम ने इस फर्जी बैंक पर नजर पड़ी और मामले का खुलासा हुआ। जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने बेरोजगार युवाओं को नौकरी का झांसा देकर लाखों रुपये उनसे ऐंठ ली थी। मामले में पुलिस ने आरोपियों को पकड़ लिया गया, जिससे और लोग इनके जाल में फंसने से बच गए। फिलहाल, आरोपियों के खिलाफ ठगी और धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

शुक्रवार को डभरा एसबीआई ब्रांच के अधिकारी दौरे पर निकले थे और रास्ते में एसबीआई की शाखा देखी तो बैंक में पहुंच गए। जहां बातचीत से उन्हें गड़बड़ लगा और उन्होंने इसकी सूचना मालखरौदा पुलिस को दी। मौके पर पुलिस एवं प्रशासन की टीम पहुंची और जांच की है। एसबीआई के अधिकारियों की शिकायत थी की इनके द्वारा स्टेट बैंक का बड़ा बैनर लगाकर बैंक का सेट अप लगाया गया था। जब जांच टीम मौके पर पहुंची तो कथित बैंक मैनेजर फरार था। शाखा में 6 कर्मचारी उपस्थित थे, जिन्होंने बताया कि पत्र एवम इंटरव्यू के माध्यम से उनको एप्वॉइंट किया गया था। उन्होंने बताया कि

उक्त शाखा में एम्पलाई को ट्रेनिंग के लिए भेजा गया था। उनको बाद में अन्य स्थान में पोस्टिंग किया जाता। मामले में पुलिस की टीम स्टेट बैंक के शिकायत के आधार पर कार्रवाई शुरू कर दी है। डबरा एसबीआई ब्रांच के अधिकारियों ने बताया कि वो फील्ड में निकले थे और रास्ते में देखा की स्टेट बैंक का बड़ा सा एसबीआई का बोर्ड लगा हुआ है। उन्हें खुद पता नहीं था कि यहां पर एसबीआई की ब्रांच खोली हुई है। अधिकारी इन्वेस्टिगेशन करने पहुंचे और पूछताछ किया तो वहां के कर्मचारियों ने टाल मटोल किया उन्होंने बताया कि हम लोग आईबीपीएस की एग्जाम पास कर के आए हैं। उनकी बातें सुनकर गड़बड़ी का अंदेशा हुआ क्योंकि एसबीआई खुद वेकेंसी निकालती है। यहां पर और भी चीज गड़बड़ लगी, जांच में पहुंचे एसबीआई ब्रांच अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल यहां कोई भी कस्टमर उनके ठगी का शिकार नहीं हो पाया था। पूरे मामले में डबरा एसबीआई ब्रांच की शिकायत के बाद धारा 318(4) 336,338,340,3,5 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है। इसमें अभी तीन व्यक्ति के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है और आगे जांच में आरोपियों की संख्या बढ़ सकती है।

बस्तर दशहरा रस्मों में महत्वपूर्ण भूमिका देने वाला तरस रहा अपने इलाज को

रथ के निर्माण के लिए लकड़ी लाने के दौरान ग्रामीण का पैर टूटा

जगदलपुर। विश्व प्रसिद्ध दशहरा ना सिर्फ बस्तर बल्कि विश्व में भी काफी प्रसिद्ध है, इस दशहरा पर्व को देखने के लिए दूर दूर से लोग आते है, इस रस्म को निभाने के साथ ही चार मंजिला और आठ मंजिला रथ का निर्माण करने बस्तर के ग्रामीण ही अहम भूमिका निभाते है, ऐसे में इसी आठ मंजिला रथ का निर्माण करने के दौरान लकड़ी गिरने से एक ग्रामीण का पैर टूट गया, उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती तो करा दिया गया, लेकिन उसका हालचाल पूछने के लिए कोई भी नही गया।

बस्तर दशहरा पर्व की हर रस्म आदिवासी ग्रामीण आस्था की वजह से बिना किसी सुविधा की चाह रखे पूरी करते हैं। ऐसे में यदि हादसे हो जाते हैं और उन तक लोग मिलने तक नहीं पहुंचते तो टीस स्वाभाविक है। करोड़ों रुपए खर्च कर मनाए जाने वाले इस लोक पर्व से आदिवासियों की आस्था गहरे तक जुड़ी हुई है।

बस्तर दशहरा पर्व के लिए तैयार किए जा रहे दुमंजिला काष्ठ रथ के निर्माण के लिए लकड़ी लाने के दौरान ग्रामीण का पैर टूट गया, पिछले कुछ दिनों से मेडिकल कालेज में पंचम निषाद का इलाज चल रहा है। इन 8 दिनों में कोई भी उसका हाल-चाल जानने नहीं पहुंचा और इस बात का उसे खेद है। विश्व

प्रशिद्ध बस्तर दशहरे पर्व में मुख्य आकर्षण विशालकाय रथ होता है।

इस साल 8 चक्कों का रथ तैयार किया जा रहा है। इसे बनाने के दौरान ही पंचम निषाद का पैर टूट गया था, चोट गहरी थी, इसलिए डाक्टरों को ऑपरेशन करना पड़ा। दर्द से कराह रहे पंचम का हाल जानने न तो कोई जनप्रतिनिधि पहुंचा और न प्रशासन के लोग बस्तर सांसद और दशहरा कमेटी के अध्यक्ष महेश कश्यप का इस संबंध में कहना है कि समय के साथ बदलाव हो रहा है। पहले कंधे पर भारी-भरकम लकड़ियां ढोकर लाई जाती थीं और अब ट्रकों से लाई जा रही हैं। सड़क भी अच्छी है। धीरे-धीरे और सुविधाएं जुटाएंगे।

सैलरी कटौती से नाराज सफाई कर्मी सड़कों पर उतरे

कोरिया। सरकारी स्कूलों में सफाई का जिम्मा उठाने वाले सफाई कर्मचारियों ने वेतन कटौती के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों का कहना है कि उनको मामूली मानदेय मिलता है। इतने कम मानदेय में घर चलाना भी मुश्किल है। ऐसे में अब उनके सैलरी में और कटौती कर दी गई है। वेतन कटौती के चलते उनकी आर्थिक हालत बिगड़ गई है। परिवार का पालन पोषण करना भी मुश्किल हो गया है। सफाई कर्मचारी संघ के नेताओं का कहना है कि वो पूर्व में भी कई बार अफसरों से मिल चुके हैं। हर बार उनको सिर्फ आश्वासन मिलता है। वो चाहते हैं कि उनकी समस्या का समाधान हो।

सैलरी कट किए जाने से नाराज कर्मचारियों ने आज जिला शिक्षा अधिकारी के दफ्तर में जाकर अपनी मांग रखी है। जिला शिक्षा अधिकारी ने सफाई कर्मियों की मांगों को सुना और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि 15 दिनों के भीतर उनकी समस्या का

समाधान कर लिया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी के दफ्तर पहुंचे कर्मचारियों ने कहा कि उनकी समस्या का समाधान नहीं होता है तो वो फिर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

सफाई कर्मी राम बाई ने कहा पहले हमें 3300 मिलते थे। अब मात्र 2500 मिल रहे हैं। वेतन में बार बार कटौती से हम परेशान हैं। सफाई कर्मी सुनीता ने कहा अप्रैल 2023 से हमलोगों के वेतन में बढ़ोत्तरी हुई है। वेतन बढ़ने का लाभ पर हमको नहीं मिला। दूसरे जिलों के सफाई कर्मियों को ये फायदा दिया जा रहा है।

जिला सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष लाल सिंह कहते हैं कि मानदेय में हो र ही कटौती के चलते हम लोग परेशान हैं। कई बार इस संबंध में आवेदन दे चुके हैं। अधिकारी हमारी मांगों को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। जिले के सफाई कर्मियों का वेतन 10100 होना चाहिए लेकिन वो नहीं मिल पा रहा है। सफाई संघ के सचिव ने कहा कि उनकी मांगों पर अफसर ध्यान नहीं दे रहे हैं। अगर भविष्य में उनकी मांगों को नहीं माना गया तो वो बड़ा आंदोलन करने को लिए मजबूर होंगे।

छत्तीसगढ़ में भालुओं का आतंक जंगल में महिला पर किया हमला

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। मरवाही वन मंडल में भालुओं के हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। लाख समझाइस के बाद भी ग्रामीण जंगल की ओर जाते है और हमले के शिकार हो जाते हैं। ताजा मामला मरवाही वन मंडल के मरवाही वन परिक्षेत्र से सामने आया है। जहां जंगल की ओर गई महिला पर भालू ने हमला कर दिया है। घायल महिला को 108 की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां घायल महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा हैऔर वो खतरे से बाहर है।

मामला मरवाही वन मंडल के मरवाही वन परिक्षेत्र का है। वन परिक्षेत्र के लटकोंनीखुर्द गांव में रहने वाली प्रेमवती पिता बुद्धू उम्र लगभग 20 वर्ष जाति गोंड शाम को भालू के द्वारा हमला कर घायल कर दिया था। जानकारी के अनुसार, महिला जंगल की ओर गई हुई थी। गांव के नजदीक पहुंची ही थी कि उसी दौरान महिला का भालू से आमना सामना हो गया। महिला कुछ सोच समझ पाती तभी भालू ने प्रेमवती पर हमला कर दिया।

भालू के हमले से महिला गंभीर रूप घायल हो गई। जिसके बाद महिला के घर वालों को जानकारी मिलने पर उसे लेकर पहुंचे और उसके बाद वन विभाग के लोगों को भी मामले की जानकारी होने पर परिजनों व वन विभाग के लोगों के द्वारा 108 एम्बुलेंस की मदद से घायल महिला को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। जहां घायल महिला का इलाज चल रहा है। अब वह खतरे से बाहर है।

छत्तीसगढ़
प्रमुख समाचार

ओवर रेट पर शराब बिक्री आबकारी विभाग ने मारा छापा

महासमुंद। ओवर रेट पर शराब बेचने की शिकायत पर आबकारी विभाग के रायपुर उड़नदस्ता ने तुमगांव के गाड़ाघाट के कम्पोजिट शराब दुकान पर छापा मारा। जांच में शिकायत सही पाई गई है। टीम आगे की कार्रवाई में जुटी है। जानकारी के मुताबिक, सुपरवाइजर 220 रुपए की शराब को 250 रुपए में बेच रहा था। इसकी शिकायत पर आबकारी विभाग के डिप्टी कमिश्नर पीएल साहू के नेतृत्व में तीन सदस्यीय टीम ने छापा मारा। शराब सुपरवाइजर ने शराब को ओवर रेट पर बेचने की बात को स्वीकार किया है। बताया जा रहा कि गाड़ाघाट शराब दुकान में 6 महीने से उपभोक्ताओं को बिल नहीं दिया जा रहा है। इससे पहले घोड़ारी में भी 10 दिन पहले देशी शराब दुकान में मिलावट करते पकड़ा गया था। इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है।

बत्तख का शिकार करने घर में घुसा तेंदुए का शावक

बलौदाबाजार। बत्तख के लालच में घर में घुसे तेंदुए के शावक को घरवालों ने तत्परता दिखाते हुए कमरे में कैद कर दिया। सूचना मिलने पर पहुंचा वन विभाग के अमला तेंदुए के शावक को रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ने की तैयारी कर रहा है। हालांकि, अभी तक सफलता नहीं मिली है। घटना बलौदाबाजार वनमंडलान्तर्गत देवपुर वन परिक्षेत्र के ग्राम बया की है। वनमंडलाधिकारी मयंक अग्रवाल ने बताया कि आज सुबह सूचना मिली कि एक तेंदुआ शिकार के चक्कर में बया गांव के एक घर में घुसा हुआ है, जिसे कमरे में बंद कर दिया गया है। सूचना पर तत्काल वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर शावक को रेस्क्यू कर जंगल की तरफ छोड़ने की तैयारी कर रही है। बता दें कि कसडोल वन परिक्षेत्र में इन दिनों लगातार वन्य जीव जंगल से गांव की तरफ जा रहे हैं, जो की चिंता का विषय है। इसके साथ तेंदुए के शावक के मां को छोड़ गांव में शिकार के लिए घुसने के पीछे क्या वजह है, यह भी जांच का विषय है। अब देखना होगा कि वन विभाग इस दिशा में क्या कदम उठाता है।

चूहों को पकड़ने पाइपलाइन में घुसा अजगर अंदर फंसा

कोरबा। शहर के पंप हाउस कॉलोनी के एक घर के किचन में पानी नहीं आ रहा था। उस घर में रहने वाला परिवार परेशान था। परिजनों ने इसे ठीक करने के लिए प्लंबर को बुलाया। प्लंबर ने जब पाइप की जांच की, तो उसके हाथ पांव फूल गए। मकान में रहने वाले परिवार ने भी जब पास जाकर देखा तो पाइप के अंदर लगभग 6 से 7 फीट लंबा विशाल अजगर फंसा हुआ है। पंप हाउस निवासी श्रीनिवास का परिवार लगातार पानी की निकासी पाइपलाइन से नहीं होने से परेशान था। किचन के पानी का बाहर न निकलना परिवार के लिए आफत बन गया था। जिसकी सफाई के लिए प्लंबर को बुलाया गया। पाइप को खुलवाया, तभी देखा कि उस पाइप के अंदर एक विशालकाय अजगर बैठा हुआ था। प्लंबर और परिजनों ने पाइप निकालने का काम छोड़ा और वन विभाग की रेस्क्यू टीम को सूचना दी। पाइप में अजगर के फंसे होने की जानकारी मिलते ही जितेंद्र सारथी के साथ किंग कोबरा प्रोजेक्ट के मयंक बागची मौके स्थल पर पहुंचे। कॉलोनी के लोगों की मदद से पाइप को सावधानी से तोड़ा गया।

बाइक सवार युवक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले मे बायपास मार्ग मे अज्ञात वाहन की चपेट मे आकर बाइक सवार एक ग्रामीण युवक की मौत हो गई। घटना के बाद से आरोपी चालक फरार हो गया है। मामला घरघोड़ा थाना क्षेत्र का है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार रायगढ़ जिले के तमनार थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम चितवाही निवासी कमल सिदार 23 साल अपने साथी राधे सिदार के साथ किसी काम के सिलेसिले मे कल टेरम गया हुआ था। जहां अपने साथी को एक तालाब के पास छोड़कर बायपास मार्ग में पहुंचा ही था कि अज्ञात भारी वाहन के चालक ने तेज एवं लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाते हुए बाइक सवार युवक को जोरदार ठोकर मार कर फरार हो गया, जिससे शरीर के कई हिस्सों मे गंभीर चोट आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। युवक की मौत के बाद घरघोड़ा पुलिस ने शव पंचनामा कार्रवाई पश्चात मर्ग कायम कर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए अज्ञात वाहन और फरार ड्राइवर कि पतासाजी में जुट गई है।

मां ने दो बच्चों के साथ पिया जहर

कोरबा। बांकीमोंगरा थाना अंतर्गत ग्राम बुंदेली गांव में घटना सामने आई है। जहां मां ने दो बच्चों के साथ जहर का सेवन कर जान देने का प्रयास किया। वहीं इस घटना में एक चार साल के मासूम की मौत हो गई। मां और बेटी जिंदगी और मौत से जूझ रही हैं। इस घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई और इसकी सूचना पुलिस को दी गई। बताया जा रहा है कि बुंदेली गांव में मधु कश्यप का परिवार निवास करता है। जो खेती किसानी का काम करता है। पत्नी और दो बच्चों का भरण पोषण करते आ रहा है। मंगलवार की सुबह यह घटना सामने आए जहां मधु कश्यप किसी काम से घर से बाहर गया हुआ था। इस दौरान उसकी पत्नी संगीता कश्यप ने अपनी बड़ी बेटी 7 वर्षीय शिवानी और 4 वर्षीय छोटे बेटे शिवम को जहर पिला दिया। उसके बाद उसने खुद जहर का सेवन कर लिया। इस घटना के बाद तीनों की हालत बिगड़ती चली गई। परिजनों को जब इसकी जानकारी हुई तब वो तत्काल उन्हें अस्पताल के लिए रवाना किया।

दरभंगा के दो फर्जी साधु गिरफ्तार

मुंगेली। काला साया का भय दिखाकर 70 हजार रुपये नकद और सोने-चांदी के गहने ठगने वाले बिहार के दरभंगा के रहने वाले दो फर्जी साधुओं को जरहागांव पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उनके पास से पुलिस ने उनके पास से 70,000 रुपये नकद, चांदी की एक जोड़ी पायल, सोने की एक फुल्ली, और 9 मोबाइल फोन बरामद किए गए।

पुलिस ने बताया कि रौनाकापा निवासी वीर कुमार साहू के घर 28 सितंबर को दोपहर दो अज्ञात व्यक्ति साधु के वेश में आए और पूजा करने के बहाने ठगी कर भाग निकले। साहू ने पुलिस को बताया कि दोनों व्यक्ति उसकी पत्नी पुष्पा साहू को काला साया का डर दिखाकर पूजा करने की बात कहने लगे। उन्होंने सोने की एक फुल्ली, चांदी की एक जोड़ी पायल और 70,000 रुपये नकद ठग लिए। ठगी के बाद दोनों साधु फरार हो गए।

शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की। पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल और उप पुलिस अधीक्षक नवनीत पाटिल के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम का गठन किया गया। मोबाइल लोकेशन के आधार पर आरोपियों की पहचान कर मुंगेली-लालपुर रोड से दोनों को गिरफ्तार किया गया।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान मंजय लालदेव (37 वर्ष) और बिदुर कुमार लालदेव (35 वर्ष) के रूप में हुई है, जो बिहार के दरभंगा जिले के रहने वाले हैं। पूछताछ के दौरान दोनों ने रौनाकापा में पूजा करने के बहाने ठगी करने की बात कबूल कर ली। उनके पास से 70,000 रुपये नकद, चांदी की एक जोड़ी पायल, सोने की एक फुल्ली, और 9 मोबाइल फोन बरामद किए गए। जांच में यह भी सामने आया कि मंजय लालदेव ने सात महीने पहले बिलासपुर के ग्रामीण क्षेत्र में भी पूजा के नाम पर एक महिला से चांदी की पायल ठगी थी। उसे भी अब जब्त किया गया है। पुलिस ने आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

सांसद ने 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा के तहत दिलाई शपथ

बोले- स्वच्छता हमारे जीवन के लिए अमूल्य

जगदलपुर। सांसद महेश कश्यप ने मंगलवार को जगदलपुर शहर के धरमपुरा स्थित क्रीड़ा परिसर में 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा के तहत आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इस दौरान क्रीड़ा परिसर एवं कन्या पॉलिटेक्नीक परिसर की साफ-सफाई किया गया। वहीं छात्र-छात्राओं ने मानव श्रृंखला के जरिए बस्तर एवं गांधी जी के चश्मे की प्रतिकृति बनाकर स्वच्छता का संदेश दिया।

इस मौके पर सांसद कश्यप ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने स्वच्छता एवं साफ-सफाई को मानव जीवन का जरूरी हिस्सा मानकर इसे पूरे देशवासियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। पूज्य बापूजी की यह प्रेरणास्पद पहल हमारे जीवन के लिए अमूल्य है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बापूजी की इस

पहल को हर व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं और शहरों एवं गांवों तक स्वच्छता की अलख जगा रहे हैं। आईये हम सभी अपने शहर, गांव और प्रदेश को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए सक्रिय सहभागिता निभाएं। वहीं अन्य लोगों को भी स्वच्छता एवं साफ-सफाई के प्रति प्रोत्साहित करें। इस मौके पर महापौर श्रीमती सफीरा साहू ने भी उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता एवं साफ-सफाई की दिशा में सजग रहकर सहभागी बनने का आग्रह किया।

ज्ञात हो कि 17 सितंबर से 02 अक्तूबर तक स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत 'स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता' की थीम पर राज्य के सभी 184 नगरीय निकायों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें स्वच्छता एवं साफ-सफाई के साथ ही विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

समाचार पचीसा
रायपुर, बुधवार 02 अक्टूबर 2024

संक्षिप्त समाचार

सियान सम्मान कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय राज्य स्तरीय अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस सियान सम्मान कार्यक्रम में शामिल होने सूरजपुर पहुंचे। यहां के पुलिस लाईन हेलीपैड पहुंचने पर सुआ नृत्य, कर्मा नाचा, रमपुरिया शैला नाचा से मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं राज्य के पहले आवासीय वॉलीवाल अकादमी बिश्रामपुर के खिलाडियों द्वारा मुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ एवं फूल माला से आत्मीय स्वागत किया गया।

छत्तीसगढ़ में अग्निवीर भर्ती रैली 4 से 12 दिसंबर तक

रायपुर। अग्निवीर भर्ती रैली को लेकर 26 सितंबर को रायगढ़ में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सेना भर्ती कार्यालय रायपुर और जिला प्रशासन रायगढ़ के अधिकारी मौजूद रहे। जिसके बाद इस बात का फैसला लिया गया कि 4 से 12 दिसम्बर तक रायगढ़ में अग्निवीर भर्ती रैली आयोजित की जाएगी। भारतीय थल सेना अग्निवीर भर्ती के लिए अप्रैल 2024 में पेन इंडिया पर आधारित ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (सीईई) का आयोजित किया गया था। ऑनलाइन एंट्रेंस एग्जाम में सफल कैंडिडेट्स के लिए 4 दिसम्बर से 12 दिसम्बर 2024 तक रायगढ़ के बोईरदादर स्टेडियम में भर्ती रैली आयोजित की जाएगी। जिसमें छत्तीसगढ़ के 33 जिलो के 8,556 ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम पास कैंडिडेट्स शामिल होंगे।

करंट की वजह से स्कूल में खतरा हाईकोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान

बिलासपुर। करंट की वजह से तुर्काडीह सरकारी स्कूल के 139 बच्चों पर मंडरा रहे खतरे के मामले में हाईकोर्ट स्वतः संज्ञान लिया है। मामले में मंगलवार को सुनवाई के दौरान स्कूल शिक्षा विभाग ने अदालत को जानकारी दी कि स्कूल से गुजर रहे अवैध कनेक्शन के तारों को हटा दिया गया है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने स्कूल शिक्षा सचिव को व्यक्तिगत शपथ पत्र पेश करने के निर्देश दिए थे। बिलासपुर जिले के तुर्काडीह के सरकारी स्कूल में 139 बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। करंट और जर्जर छत से बच्चों को खतरा होने की खबर पर चीफ जस्टिस ने स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई शुरू की है। कोर्ट ने इस बात पर चिंता जताई कि पूरा स्कूल भवन अवैध बिजली कनेक्शन के तारों से घिरा हुआ है। इससे कभी भी कोई अप्रिय घटना घट सकती है। शिक्षा विभाग और बिजली विभाग को शिकायत करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। भवन जर्जर हो चुका है और इससे सटा हुआ ही ट्रांसफार्मर लगा है, जहां से अधिकांश ग्रामीणों ने अवैध कनेक्शन लिया, जिसकी वजह से स्कूल में करंट आता है। मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान शिक्षा विभाग ने बताया कि स्कूल से गुजर रहे अवैध कनेक्शन के तारों को हटा दिया गया है। जर्जर छत की भी मरम्मत की जा रही है।

आज बंद रहेगी शराब दुकाने

रायपुर। राज्य शासन के निर्देश पर बुधवार, 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर पूरे राज्य में शुष्क दिवस घोषित किया गया है। इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं। जारी आदेश के तहत जिले में संचालित सभी देशी और विदेशी शराब की फुटकर दुकानों, कम्पोजिट मदिरा दुकानों और मद्य भंडारण-भाण्डागार को 2 अक्टूबर को पूरे दिन के लिए सील किया जाएगा। इसमें एफ.एल.-1 (घघ), सी.एस.-2 (घघ), सी.एस.-2 (घघ-कम्पोजिट), सी.एस.2 (ग-अहाता), सी. एस.2 (ग-कम्पोजिट अहाता), एफ.एल.1 (ख-अहाता) जैसी सभी शराब बिक्री इकाइयों को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, इस दिन मदिरा के विक्रय, विनिर्माण, संग्रहण, धारण, और परिवहन पर भी पूर्ण प्रतिबंध लागू रहेगा। यह निर्णय महात्मा गांधी के जन्मदिवस के सम्मान और अहिंसा के सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी से स्टाफ आफिसर सहित 8 कर्मचारियों की भावभीनी विदाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के सेवाभवन में ट्रांसमिशन कंपनी के 8 अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रबंध निदेशक (ट्रांसमिशन) श्री राजेश कुमार शुक्ला द्वारा प्रशस्ति पत्र, घड़ी, शॉल एवं श्रीफल से सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर एम.डी. ट्रांसमिशन कार्यालय में पदस्थ स्टॉफ ऑफिसर श्री प्रभाकर राव नाडीकट्ला सहित अन्य कार्यालयों में पदस्थ अनुभाग अधिकारी श्री मनोहर प्रसाद साहू, श्री पन्ना लाल साहू, कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री दिनेश कुमार गंगराले, राजनांदगांव से वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री उदल सिंह शोरी, भिलाई से लाईन सहायक श्री पढ़ीनाथ राणे, श्री डी. राजू देवांगन, श्री बाला प्रसाद कुशवाहा को सेवानिवृत्ति पश्चात् विदाई समारोह में सम्मानित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक श्री के.एस.मनोठिया, श्री एम.एस.चौहान, मुख्य अभियंता श्री जी.आनंद राव, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री के.बी. पात्रे, अतिरिक्त महाप्रबंधक (वित्त) श्री मुकेश कश्यप एवं श्री अजय शर्मा, अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रकाशन अधिकारी श्री गोविंद पटेल तथा आभार प्रदर्शन कार्यपालन अभियंता श्री राजेश सिंह द्वारा किया गया।

स्वच्छता अभियान जन आंदोलन के रूप में बढ़ रहा : साव

उप मुख्यमंत्री स्वच्छता की पाठशाला-सह-सफाई मित्र सुरक्षा शिविर में हुए शामिल, छात्राओं को स्वच्छता की शपथ दिलाई

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव मंगलवार को रायपुर के जे.आर. दानी स्कूल में स्वच्छता की पाठशाला-सह-सफाई मित्र सुरक्षा शिविर में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में छात्राओं को स्वच्छता बनाए रखने और इसके बारे में लोगों को जागरूक करने की शपथ दिलाई। उन्होंने शहर के स्वच्छता कर्मियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित शिविर का भी जायजा लिया। श्री साव ने कार्यक्रम में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों की विजेता छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। उन्होंने सफाई कर्मियों को किट भी वितरित किए। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, जिला प्रशासन और रायपुर नगर निगम द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल और विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, नगर निगम के सभापति प्रमोद दुबे भी शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने मुख्य अतिथि के रूप में स्वच्छता की पाठशाला-सह-सफाई मित्र सुरक्षा शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता अभियान ने पिछले दस वर्षों में जन आंदोलन का रूप ले लिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 अगस्त 2014 को लाल किले की प्राचीर से स्वच्छ भारत मिशन के आह्वान के बाद देश में स्वच्छता के प्रति काफी

जागरूकता आई है। इससे हमारा परिवेश स्वच्छ और सुंदर होने के साथ ही बीमारियों में भी कमी आ रही है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि स्वच्छता परंपरागत रूप से हमारे स्वभाव और संस्कार में रहा है। विगत 17 सितम्बर से प्रारंभ स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता की थीम पर साफ-सफाई के बारे में लोगों को जागरूक करने और जन भागीदारी बढ़ाने विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि स्कूली छात्र-छात्राओं, युवाओं, नागरिकों और जनप्रतिनिधियों को स्वच्छता के कार्यों से जोडने आज प्रदेशभर के 1800 स्कूलों, 105 कॉलेजों तथा 45 आईटीआई व इंजीनियरिंग कॉलेजों में करीब पांच लाख लोगों को शपथ दिलाई जा रही है।

श्री साव ने आज कार्यक्रम स्थल में लगाए गए स्वास्थ्य शिविर में अपनी चेस्ट की स्क्रीनिंग के साथ शुगर और बीपी की भी जांच कराई। नगरीय प्रशासन विभाग के संचालक श्री कुंदन कुमार, कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, नगर निगम के आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा, सभापति श्री प्रमोद दुबे, पार्षद श्रीमती सीमा कंदोई और सुडा के सीईओ श्री शशांक पाण्डेय भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

सफाई मित्रों के सम्मान, उनके द्वारा किए गए कार्यों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और उनका मनोबल बढ़ाने स्वच्छता ही सेवापखवाड़ा के दौरान राज्य के सभी शहरों में 250 से अधिक सफाई मित्र सुरक्षा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इनके माध्यम से 30 हजार सफाई मित्रों और उनके परिजनों की स्वास्थ्य जांच कर राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। मोबाइल मेडिकल यूनिट और स्वास्थ्य शिविर में जांच, उपचार व निःशुल्क दवाई के साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना, बिजली कनेक्शन, पीएम सूर्य घर योजना, पीएम स्वनिधि, पीएम जनधन, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, उज्जवला योजना, नल कनेक्शन, श्रमिक कल्याण तथा राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन जैसी योजनाओं का लाभ इन शिविरों के माध्यम से सफाई मित्रों तक पहुंचाया जा रहा है।

सफाई मित्र सुरक्षा शिविर में आज 1964 सफाई मित्र लाभान्वित

रायपुर के जे.आर. दानी स्कूल परिसर से लगे बूढ़ा तालाब में आयोजित सफाई मित्र सुरक्षा शिविर में आज 1964 सफाई मित्र व उनके परिजन लाभान्वित हुए। शिविर में मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से 880 और स्वास्थ्य विभाग द्वारा 818 लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर आवश्यक परामर्श, उपचार व दवाईयां उपलब्ध कराई गईं। 120 लोगों के राशन कार्ड का नवीनीकरण और 18 परिवारों के लिए नए राशन कार्ड बनाए गए। 58 श्रमिकों के श्रमिक कार्ड बनाने के साथ ही 27 सफाई मित्रों को बीमा योजना, 14 सफाई मित्रों को प्रधानमंत्री आवास योजना और दस सफाई मित्रों को पीएम स्वनिधि योजना का लाभ प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री ने हितग्राहियों को सौंपी प्रधानमंत्री आवास की चाबी

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर सूरजपुर में आयोजित सियान सम्मान समारोह में जिले के अंतर्गत आने वाले सभी जनपदों से एक-एक हितग्राहियों को आवास की चाभी सौंपकर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के हाथों अपने पक्के आवास की चाबी पाकर हितग्राहियों के चेहरे चमक गए।

अपने आवास की चाबी पाकर प्रतापपुर, प्रेमनगर एवं ओडगी के हितग्राही क्रमशः श्री देवशरण, श्री वीरसाय एवं श्री बृजलाल ने खुशी जताते हुए बताया कि प्रधानमंत्री आवास हमारे लिए बहुत सार्थक सिद्ध हो रहा है, अब हमारे पास अपना पक्का मकान है। हमारा निवास क्षेत्र हाथियों के विचरण से प्रभावित होने के कारण मन के एक कोने में हमेशा चिंता बनी ही रहती थी, जो अब पूरी तरह ख़त्म हो गई है। भैयाथान, रामानुजनगर एवं सुरजपुर के हितग्राही श्री संतोष कुमार, श्रीमती

सुखमनिया एवं श्री बरातू ने बताया कि हर वर्ष दीवार में सीलन, छानी ठीक करने, घर में पानी टपकने जैसी समस्याओं से दो चार होना पड़ता था जो अब दूर हो गई है। घर में होने वाली परेशानियां दूर होने से आर्थिक बचत हो रही है, जिसका उपयोग बच्चो की पढ़ाई-लिखाई, घर का राशन व अन्य कार्यों में कर पा रहे हैं।

हितग्राहियों ने बताया कि यह योजना बहुत अच्छी है कि इसका पैसा सीधे हमारे खाते में आता है, किसी बिचौलिए या राशि नहीं मिलने जैसी समस्याएं नहीं होती हैं। राशि पाकर केवल हमें निश्चित स्तर तक का काम कराना होता है। हम माननीय प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री जी का बड़े सम्मानपूर्वक पीएम आवास योजना जैसी सुंदर योजना लागू करने के लिए आभार व्यक्त करते है।

जिले में अब तक 35254 हितग्राहियों के ऐसे सपने पूरे हो चुके हैं7 जो इन आवासों को पूर्ण कराकर इसमें रह रहें हैं। इनके खातों में 505 करोड़ रुपय भेजी का चुकी है। साथ ही विगत 10 दिन पहले 20000 से अधिक के आवास के हितग्राहियों को अपने आवास की निर्माण शुरू करने के लिए लगभग 80 करोड़ से अधिक की राशि हितग्राहियों के खातों में हस्तांतरित कर आवास निर्माण शुरू किया जा रहा है7 शेष 7000 हितग्राहियों के भी स्वीकृति करने का कार्य जोरों से जारी है। आवास प्राप्त होने का आधार एसईसीसी 2011 एवम् आवास प्लस 2018 की सूची है, इन दोनों सूचियों में यदि जिन पात्र हितग्राहियों के नाम छूट गए हैं उन्हें जल्द ही आवास प्लस 2024 के माध्यम से आवास के लिए जोड़े जाएंगे।

साय ने किया विभागीय स्टालों का अवलोकन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर अपने सूरजपुर प्रवास के दौरान मुख्य कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर विभागीय स्टालों का अवलोकन किया। इस दौरान समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग, मत्स्य पालन, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्टॉल लगाए गए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी स्टॉल का अवलोकन किया और स्टॉल में मौजूद हितग्राहियों को सामग्री एवं राशि चेक का वितरण किया। श्री साय ने जिला प्रशासन के सहयोग से संचालित सार्थक सूरजपुर के तहत आवासीय वॉलीबॉल अकादमी की छात्राओं को ट्रैक सूट वितरण एवं भविष्य

के लिए शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान मत्स्य विभाग से 05 हितग्राहियों को जाल और आइस बॉक्स और दो हितग्राही को केसीसी कार्ड का वितरण, पशुपालन विभाग से दो हितग्राही में से एक हितग्राही को राज्य डेयरी उद्यमिता के तहत सब्सिडी राशि साठ हजार का राशि चेक और एक हितग्राही को मुर्गीपालन हेतु केसीसी कार्ड, कृषि विभाग से दो हितग्राही को इलेक्ट्रिक पंप और उद्यानिकी विभाग से दो हितग्राहियों को केसीसी कार्ड का वितरण किया। महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत हितग्राहियों में सक्षम महिला योजना के तहत हितग्राही रूमा तिवारी को एक लाख बीस हजार राशि और महिला कोष से हितग्राही समूह चेतना महिला समूह को पचास हजार राशि चेक ऋण वितरण, दो गर्भवती माताओं की गोद भराई, दो बच्चों का अन्नप्राशन, एक एनीमिया मुक्त महिला श्रीमती आशा कुशवाहा और एक कुपोषण मुक्त बच्चा चार वर्षीय मयंक विश्वकर्मा बच्चे को सुपोषण टोकरी का वितरण किया गया। समाज कल्याण विभाग के तहत छह हितग्राहियों को व्हीलचेयर एवं छड़ी का वितरण किया।

योजनाओं के नाम बदलने पर सियासत

■ **मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार ने पूर्व सीएम पर साधा निशाना**

रायपुर। छत्तीसगढ़ की साय सरकार ने पूर्ववर्ती भूपेश सरकार के कार्यकाल में चल रही कई योजनाओं का नाम बदल दिया है, जिससे अब प्रदेश में सियासत भी तेज हो गई है। साय सरकार ने राजीव गांधी स्वावलंबन योजना का नाम बदलकर पं. दीनदयाल उपाध्याय स्वावलंबन योजना और राजीव गांधी आजीविका केंद्र योजना का नाम पं. दीनदयाल उपाध्याय आजीविका केंद्र योजना के साथ अन्य तीन योजनाओं का नाम बदल दिया गया है।

इस बदलाव के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मीडिया सलाहकार पंकज कुमार झा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि 11 फरवरी को आती है। इसी दिन भूपेश बघेल की कांग्रेस सरकार ने उनके नाम वाली योजनाओं का नाम बदलकर उसे कथित गांधी परिवार वालों के नाम पर रख दिया था। ऐसा करना अनुचित था न भूपेश बघेल जी?

इन योजनाओं के नाम में किया गया बदलाव

राजीव गांधी स्वावलंबन योजना का नाम पं. दीनदयाल उपाध्याय स्वावलंबन योजन।

राजीव गांधी आजीविका केंद्र योजना का नाम पं. दीनदयाल उपाध्याय आजीविका केंद्र योजना।

पं. दीनदयाल उपाध्याय सर्वसमाज मांगलिक भवन योजना का नाम डॉ। बीआर अम्बेडकर सर्वसमाज मांगलिक भवन योजना।

इंदिरा प्रियदर्शिनी एलईडी पथ प्रकाश योजना का नाम पं. दीनदयाल उपाध्याय एलईडी पथ प्रकाश योजना।

इंदिरा प्रियदर्शिनी शुद्ध पेयजल योजना का नाम पं. दीनदयाल उपाध्याय शुद्ध पेयजल योजना।

नशे की दवा बेचने वाले मेडिकल स्टोर पर होगी कार्रवाई

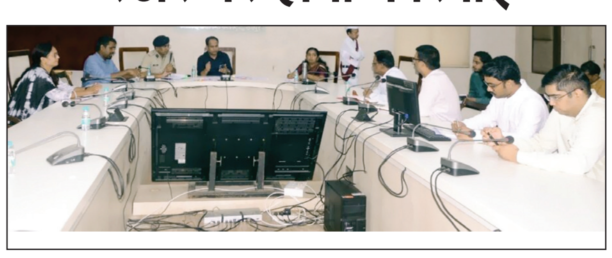

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री संतोष सिंह ने स्वापक औषधि मनः प्रभावी पदार्थों के अनाधिकृत व्यवसायियों पर व्यापक और प्रभावी नियंत्रण के लिए जिला स्तरीय कमेटी की बैठक ली। कलेक्टर डॉ. सिंह एवं एसएसपी श्री सिंह ने कहा कि नशा का दवा बेचने वाले मेडिकल स्टोर पर कार्रवाई की जाए। मेडिकल स्टोर से किसी भी प्रकार के नशे का दवा न बिके, इसके लिए जांच की जाए। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि बच्चों एवं युवाओं को नशे से बचाने के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया जाएं। स्कूलों एवं कॉलेजों के करीब में नशे का दुकान लगाने वालों पर भी कार्रवाई की जाए और नशे से लोगों को बचाने के लिए प्रचार-प्रसार किया जाएं। साथ ही मितानिनों के माध्यम से भी जन जागरूकता अभियान चलाया जाएं। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. मिथिलेश चौधरी समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, जिला-बस्तर, जगदलपुर (छ.ग.)
दूरभाष क्र. 07782-222336, (कार्या.) फैक्स क्र. 225777, ई-मेल spofficejdr@gmail.com

क्रमांकः-पु.अ./बस्तर/एसी/पीएचक्यू/ 2645-ए /2024 दिनांकः 23/09/2024

//अल्प कालीन निविदा आमंत्रण सूचना//

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित निर्माण कार्य के लिए मुहरबंद निविदायें प्रपत्र अ में प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग रायपुर द्वारा 01.01. 2015 (भवन) एवं निविदा जारी दिनांक तक संशोधित दर अनुसूची के आधार पर लोक निर्माण विभाग/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/ छ.ग. गृह निर्माण मण्डल/ग्रामीण यांत्रिकी सेवा/सिंचाई विभाग में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दो लिफाफा पद्धत्ति, जिसमें एक अमानत राशि व दूसरा निविदा प्रपत्र का लिफाफा होगा, निविदा पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट द्वारा आमंत्रित की जाती है। कार्यालय पुलिस अधीक्षक, जिला बस्तर, जगदलपुर में निविदाओं की उपस्थित निविदाकार या उनके अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोले जाने की प्रक्रिया प्रारंभ की जावेगी। उक्त तिथि को अपरिहार्य परिस्थिति में निचिंवा संबंधी कार्यवाही अगले कार्य दिवस को की जावेगी (1) निविदा प्रपत्र का मूल्य 750/- निर्धारित। (2) ठेके की श्रेणी डी एवं उच्च श्रेणी रहेगी। निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथिः- 04/10/2024 के 05:00 बजे तक। निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथिः- 07/10/2024 के 04:00 बजे तक। निविदा खोले जाने की तिथिः- 07/10/2024 के संध्या 05:00 बजे।

क्र.	कार्य का नाम एवं कार्यस्थल	कार्यावधि	लागत	धरोहर राशि
1.	त्रिवेणी परिसर में पेवर ब्लॉक, गेट, फाल्स सिलिंग एवं अन्य अतिरिक्त कार्य	03 माह	5.72 लाख	4300/-
2.	त्रिवेणी परिसर में मोर्चा, टॉयलेट/बाथरूम एवं अन्य अतिरिक्त कार्य	03 माह	19.15 लाख	14400/-
3.	रक्षित केन्द्र जगदलपुर में बस्तर फाईटर महिला हेतु आर.सी.सी. बैरक निर्माण कार्य	04 माह	14.60 लाख	11000/-
4.	को-ऑर्डिनेशन सेंटर, जगदलपुर में भवन में वाटर प्रुफिंग एवं मरम्मत कार्य	03 माह	19.95 लाख	15000/-

निविदा से संबंधित अन्य जानकारी हेतु पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जगदलपुर से सम्पर्क कर सकते हैं।
नोटः- निविदा फार्म प्राप्ति हेतु कार्यालय में उपस्थित होने पर आवश्यक समस्त दस्तावेज अपने साथ लेकर उपस्थित होवें।

पुलिस अधीक्षक
जिला-बस्तर, जगदलपुर

जी-242502874/5

रायपुर दक्षिण विधानसभा उपचुनाव की तैयारी तेज

रायपुर। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने सोमवार को रायपुर दक्षिण विधानसभा उप निर्वाचन के लिए हो रहे अधिकारियों के प्रशिक्षण को संबोधित किया। उन्होंने विधानसभा उप निर्वाचन के दौरान सभी प्रक्रियाएं पारदर्शिता और निष्पक्षता से संपन्न कराने को कहा। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों तथा निर्धारित प्रक्रियाओं का गंभीरता से पालन करने के निर्देश दिए।

सीईओ रीना बाबासाहेब कंगाले ने प्रशिक्षण में निर्बाध और सुचारू निर्वाचन के लिए संबंधित अधिकारियों को विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों का निरीक्षण करने के आदेश दिए हैं। ताकि आवश्यक सुविधाओं का जायजा लेकर तैयारियां पूरी की जा सके। उन्होंने सभी मतदान केंद्रों में छाया, पेयजल, शौचालय, रैंप इत्यादि व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को उप चुनाव के लिए आपसी समन्वय बनाकर सक्रियता से काम करने को कहा। सकाथ ही प्रशिक्षण में ट्रेनर्स से चर्चा कर अपनी-अपनी शाखाओं से संबंधित

शंकाओं का समाधान करने के लिए कहा है।

रीना बाबासाहेब कंगाले ने कहा राज्य में विधानसभा की रिक्त सीट रायपुर दक्षिण विधानसभा के लिए उप चुनाव होगा। इसके लिए जल्दी ही प्रक्रिया शुरू होगी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उप चुनाव की तिथि की घोषणा के साथ ही इसके लिए आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो जाएगी।

नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर पुलक भट्टाचार्य ने अधिकारियों को आदर्श आचरण संहिता के विभिन्न प्रावधानों के बारे में बताया। वही यूएस अग्रवाल ने प्रशिक्षण के दौरान नामांकन की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने उम्मीदवारों की पात्रता, नामांकन के समय संलग्न किए जाने वाले दस्तावेजों, नामांकन शुल्क, नामांकन पत्रों की संवीक्षा, चुनाव चिन्ह आबंटन, उम्मीदवारों द्वारा दिए जाने वाले शपथ पत्रों तथा रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय में नामांकन के लिए जरूरी व्यवस्थाओं के बारे में बताया।

पुलक भट्टाचार्य ने कहा चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद जो व्यक्ति उस क्षेत्र के निवासी नहीं है, उसे क्षेत्र से बाहर जाना होगा। आदर्श आचार संहिता के प्रभावी रहने के दौरान जिले में किसी भी तरह के आयोजन के लिए प्रशासन से अनुमति लेनी होगी।

सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी शारदा अग्रवाल ने एमसीएमसी के कार्यों और कार्यप्रणाली के बारे में बताया। साथ ही आदर्श आचरण संहिता और निर्वाचन व्यय पर निगरानी के लिए प्रिंट मीडिया सेल, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया सेल और सोशल मीडिया सेल का गठन करने की बात कही है। इसके माध्यम से पेड न्यूज पर भी नजर रखने को कहा। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित तिथियों के बीच जनमत सर्वेक्षण और एक्जिट पोल प्रतिबंधित रहेगा।

छत्तीसगढ़ शासन, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग गरियाबंद, वनमण्डल गरियाबंद

काष्ठागार नीलाम का संक्षिप्त विवरण

सर्व साधारण के सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि गरियाबंद वनमंडल के अंतर्गत गरियाबंद काष्ठागार में संग्रहित ईमारती काष्ठ एवं अस्थाई पड़ाव / निस्तार डिपो के अवशेष बांस/जलाऊ चट्टा का घोष विक्रय द्वारा निर्वतन किया जायेंगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है कि दे नीलाम में भाग लेवें। नीलाम की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमंडल कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। नीलाम में प्रस्तावित मात्रा में कमी/अधिकता हो सकती है। कृपया बोली लगाने से पूर्व वनोपज का स्वतः स्थल निरीक्षण कर लेवें।

डिपों का नाम - वन काष्ठागार गरियाबंद
नीलाम दिनांक - 08/10/2024
नीलाम समय - प्रातः 09: 00 बजे

नीलाम में प्रस्तावित वनोपज की अनुमानित मात्रा

क्र.	प्रजाति	लट्ठा घ.मी.			बल्ली / डेंगरी (संख्या)		
		नया	पुराना	योग	नया	पुराना	योग
1	सागौन	185.000	43.733	228.733	17289	42329	59618
2	साल	417.000	714,232	1131.232	410	7240	7650
3	बीजा	36.000	79.138	115.138	0	0	0
4	शीशम	11.000	0.271	11.271	0	0	0
5	तिन्सा	0	4.058	4.058	0	0	0
6	साजा	74.000	90.247	164,247	2000	484	2484
7	हल्दू	25.000	27.581	52.581	0	0	0
8	धावडा	16,000	1.945	17.945	0	0	0
9	सलई	3.000	0	3.000	0	0	0
10	अन्य	71.000	18.538	89.538	7500	0	7500
	योग	**838,000**	**979.743**	**1817.743**	**27199**	**50053**	**77252**

वनोपज	निस्तार/बंसोड़ डिपो फिगेश्वर	उपभोक्ता डिपो देवभोग	योग
बांस पुराना	3511	2000	5511

वनोपज	उपभोक्ता डिपो पथर्रा राजिम	योग
जलाऊ चट्टा पुराना	09	09

टीपः-
01 किसी भी व्यक्ति को नीलाम में बोली लगाने के पूर्व नीलाम की शर्तों का पालन करने के करार प्रतीक स्वरूप विक्रय सूचना पर अपना हस्ताक्षर करना होगा।
02 प्रत्येक लाट के संबंध में बोली लगाने के पूर्व जिस सीमा तक वह बोली लगाना बाहता हो उसके 10 प्रतिशत के बराबर राशि या 1000/- (एक हजार) रूपये इसमें से जो भी अधिक हो राशि जमा करना होगा।
03 नीलाम में संत्यकार की राशि जमा करते समय संत्यकार अधिकारी को वर्ष 2024 के लिए विनिर्माता व्यापारी के रूप में पंजीकृत प्रमाण पत्र की छायाप्रति एंव आयकर विभाग द्वारा जारी पेनकार्ड की छायाप्रति अनिवार्य रूप से जगा करना होगा।
04 कय मूल्य की 25 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि का धनादेश अथवा डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मल्टीसिटी चेक स्वीकार किये जावेगा। प्रत्येक क्रेता को विर्निमाता/उपभोक्ता / व्यापारी लायसेंस एवं आयकर पेन नं/ टीन नं./ जी.एस.टी.नं. की छायाप्रति अनिवार्य रूप से जमा करने पर ही वर्क आर्डर जारी किया जावेगा। 05
यदि किसी क्रेता द्वारा किसी कारणवश विक्रय मूल्य की 10 प्रतिशत राशि ई.एम.डी. के रूप में जमा की जाती है तो उस 07 दिवस के भीतर शेष 15 प्रतिशत राशि जमा करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत कर वनमंडलाधिकारी स्वीकृति प्राप्त किया जाना अनिवार्य है। आवेदन पत्रा प्रस्तुत नहीं करने पर जमा 10 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि शासन के पक्ष में राजसात कर लाट निरस्त कर दी जायेगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित क्रेता की होगी। जलाऊ/बांस नीलाम के पश्चात् ईमारती लकड़ी का नीलाम किया जावेगा।

जी-242502860/8

वनमण्डलाधिकारी
गरियाबंद वनमण्डल गरियाबंद

जम्मू : बदले माहौल और फैसलों का इम्तिहान...

शाहरुख खान

कभी पत्थरबाजी, हिंसा और हड़ताल के लिए बदनाम श्रीनगर के डाउनटाउन के घरों की खिड़कियां इन दिनों साबूत हैं। चमकते शीशे हैं। पहले कई सालों तक यह अतिदुर्लभ तस्वीर थी। अनुच्छेद-370 हटने के बाद इस नए नामुमकिन कश्मीर को मुमकिन वाली कैटेगरी में दर्ज किया गया है। सड़कों, मोहल्लों, बाजारों से तो यही नजर आ रहा है, लेकिन जो इन खिड़कियों से नजर आता है, क्या वह ही घाटी का सच है? कश्मीर में जो दिखाई दे रहा है, क्या वह अवाम के भीतर का भी आईना है? इन सबका जवाब जम्मू कश्मीर के विधानसभा चुनाव के नतीजे देंगे। वैसे तो कश्मीर में खुदा ही जानता है कि कौन जीतेगा। राजनीति के जानकार कुबूल करते हैं कि यहां के लोगों का कोई भरोसा नहीं। कब किसके साथ हो जाएं। वैसे भरोसा तो यहां के नेताओं का भी नहीं। यह देश का इकलौता सूबा है, जहां हर पार्टी, हर दूसरी पार्टी के साथ कभी न कभी सरकार बना चुकी है। पीडीपी एनसी के साथ, पीडीपी कांग्रेस के साथ, पीडीपी भाजपा के साथ, एनसी कांग्रेस के साथ और एनसी भाजपा के साथ। राजनीति के साथ-साथ कश्मीर में मौसम भी अलग अलग किस्मों का होता है। सर्दियों में बर्फ सा सफेद और पतझड़ में चिनारों के सूखे पत्तों सा लाल सुर्ख। घाटी ने सियासत के बहुतेरे रंग देखे हैं। बात शुरू होती है 1987 से। चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस का मुकाबला मुस्लिम यूनाइटेड फ्रंट से था, जो सभी धार्मिक संगठन, जमात-ए-इस्लामी और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस का गठबंधन था। संयोग ऐसा कि इस फ्रंट का चुनाव चिह्न वही कलम दवात था, जो आज पीडीपी का है। वह पीडीपी जिसका जन्म 1997 में हुआ। एनसी ने मुस्लिम फ्रंट को मजबूत टक्कर दी थी। हिजबुल चीफ सैयद सलाउद्दीन तब श्रीनगर के बटमालू से मुस्लिम फ्रंट का उम्मीदवार था और जेकेएलएफ प्रमुख यासिन मलिक पोलिंग एजेंट। चुनावों में जमकर गड़बड़ी हुई और कुबूल किया जाता है कि इसी चुनाव के बाद घाटी में आतंकवाद की शुरूआत हुई। कश्मीरियत की सियासत में दूजा सबसे चटख रंग आया 2014 के दौर में, जब पीडीपी-भाजपा की सरकार थी। तब चलती पीडीपी की थी। पॉलिसी उसी की। गठबंधन की शर्तों में भी पहला हक उसी को। बात पत्थरबाजों को छोड़ने की हो, 370 को न छूने का वादा हो, या बुरहान वानी को नहीं मारना था, जैसा बेतुका बयान हो। तस्वीरें गवाह हैं कि बुरहान के जनाजे में आई भीड़ कश्मीर में किसी के जनाजे की सबसे बड़ी भीड़ थी। शायद शेख अब्दुल्ला के जनाजे में भी इतनी भीड़ नहीं थी। सियासी मुहुर्त ने चौघड़ियां बदलीं। जिसे आम आबादी से लेकर हर दल ने असंभव मान लिया था, उस अनुच्छेद-370 को खत्म करना कश्मीर में बदलाव की किताब के कई सारे पन्नों को एकसाथ पलट देने जैसा था। यह 2019 का वक्त था। सत्यपाल मलिक गर्वनर थे। एक दिन अगस्त माह में अमरनाथ यात्रा को आधे पर रोक दिया गया। पर्यटकों को कश्मीर से लौटने का फरमान सुनाया गया। तीन महीने के लिए इंटरनेट बंद। नेता, अलगाववादी, पत्थरबाज या तो नजरबंद या जेल में। ये मौका था 370 खत्म करने का। इसके साथ हड़ताल वाले कैलेंडर, पत्थरबाजी, प्रदर्शन भी खत्म हो गए। राज्य में दस साल बाद हो रहे चुनाव 370 हटाने के फैसले की लोकतांत्रिक परीक्षा मानी जा रही है। 1984 व 1987 के बाद इतनी बंपर वोटिंग हो रही है। सायकोलॉजी की भाषा में इसे इमोशनल वोटिंग कह सकते हैं। वरना दहशत के बीच यहां पली बढ़ीं कई पीढ़ियां ऐसी हैं, जिन्होंने कभी वोट नहीं डाला। 3 से 5% मतदान और कुछ 50-100 वोट पड़ने से सीएम बनवा देने का अनोखा उदाहरण भी यहीं मिलेगा। और शायद पहला मौका होगा, जब कट्टर हिंदुत्व व अतिकट्टर इस्लाम को मानने वाले विधायक एकसाथ विधानसभा में हुंकार भर रहे होंगे। ये दो अतिविशिष्ट बैरी सरकार में साथ भी हो सकते हैं, असंभव कुछ नहीं। सरकार किसकी बनेगी, इसके दो जवाब हैं। पहला, कश्मीर की किसी एक पार्टी और किसी एक राष्ट्रीय दल की दोस्ती की। और दूसरा मल्टीग्रेन खिचड़ी जैसी। इसमें भिन्न-भिन्न विचार वाले नेता होंगे, जो सत्ता की चटनी चखने के लिए अपनी परंपराओं व प्रतिष्ठाओं को सीएम की अखरोट की लकड़ी की बनी कुर्सी के लिए फना कर देंगे।

कांग्रेस नेतृत्व बार-बार कर रहा राम मंदिर का अपमान

मृत्युंजय दीक्षित

लोकसभा चुनावों में लगातार तीसरी बार विफल होने के बाद, जून 2024 से राहुल गांधी व कांग्रेस पार्टी दोनों ही अवसाद ग्रस्त हैं और यही कारण है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में उनके समस्त सहयोगी हिंदू, हिंदुत्व और सनातन संस्कृति के साथ ही भारत और भारत के विकास को भी निरंतर अपमानित कर रहे हैं। इधर हुई कई घटनाएं व प्रसंग स्पष्ट करते हैं कि कांग्रेस पार्टी ने अब पूरी तरह से मुस्लिम फर्स्ट की नीति अपना ली है।

एक्सीडेंटल हिंदू गांधी परिवार ने सर्वप्रथम तो पांच सौ वर्षों के अथक संघर्ष से अयोध्या में बने श्री रामजन्मभूमि मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का अपनी सुविचारित मुस्लिम मतदाता तुष्टिकरण नीति के अंतर्गत बहिष्कार किया। अब सदन से सड़क तक राहुल गांधी उस भव्य समारोह का उपहास करते घूम रहे हैं, उसे गाने नाचने की नौटंकी बता रहे हैं। विगत दिनों कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश में अवैध मस्जिदों व मजारों तथा वहां आ रहे अवैध नागरिकों की पहचान कर उन्हें बाहर का रास्ता दिखाकर अपनी सभ्यता, संस्कृति, पहचान व अस्तित्व को बचाने के लिए हिमाचल की जनता आक्रोशित होकर सड़को पर उतर आई। इस प्रकरण में कांग्रेस ने जो रवैया अपनाया वह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

झारखंड में डेमोग्राफी बदलने से लेकर से लेकर मुम्बई की अवैध मस्जिद ढहाने तक कांग्रेस ने मुस्लिम फर्स्ट की नीति का ही परिचय दिया है। पांच सौ वर्षों से अधिक समय तक चले अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि संघर्ष का सुफल सनातन समाज को 22 जनवरी 2024 को प्राप्त हुआ था, कांग्रेस आज भी उसके विरुद्ध खड़ी है। हिमाचल प्रदेश में सनातनी अपने अस्तित्व को लेकर सड़कों पर हैं किंतु मुस्लिम फर्स्ट की नीति के कारण कांग्रेस को कहीं कुछ समझ में नही आ रहा है। भोजन और अन्य खाद्य पदार्थों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए जब यूपी की योगी सरकार ने दुकानों पर नेमप्लेट लगवाने का आदेश जारी किया तो कांग्रेस अपने सहयोगी दलों के साथ विरोध में उतर आई और निर्णय को मुस्लिम विरोधी बताने लगी। जब स्थानीय नागरिकों के दबाव में हिमाचल सरकार ने भी उसी प्रकार का निर्णय लिया तो कांग्रेस आलाकमान की मुस्लिम फर्स्ट की नीतियों के कारण उनकी अपनी ही सरकार को अपना निर्णय वापस लेना पड़ गया और सफाई देनी पड़ी। आज देश के किसी भी कोने से हिंदू हित की आवाज उठते ही उसे दबाने व उसका मजाक बनाने के लिए कांग्रेस और उसका का ईकोसिस्टम जीवंत हो उठता है।

राहुल गांधी वाली कांग्रेस ने अब यह मान लिया है कि उसको अब हिंदू समाज का वोट तो मिलने वाला नहीं है इसलिए अब वह हर काम करो जिससे मुस्लिम मतदाता प्रसन्न हो फिर चाहे वो काम देश विरुद्ध ही क्यों न हो। हिमाचल प्रदेश में सनातनी अपने अस्तित्व को लेकर सड़कों पर हैं किंतु मुस्लिम फर्स्ट की नीति के कारण कांग्रेस को कहीं कुछ समझ में नही आ रहा है।

अमेरिका में भारत विरोधी बयानबाजी करके वापस लौटे राहुल गांधी ने अयोध्या पर एक बार फिर आपत्तिजनक बयान देकर अपने शर्मनाक विचारों को ही परोसा है। राहुल गांधी वाली कांग्रेस ने अब यह मान लिया है कि उसको अब हिंदू समाज का वोट तो मिलने वाला नहीं है इसलिए अब वह हर काम करो जिससे मुस्लिम मतदाता प्रसन्न हो फिर चाहे वो काम देश विरुद्ध ही क्यों न हो।

राहुल गांधी ने हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कहा कि, %%जब अयोध्या में राम मंदिर खोला तो वहां पर नाच-गाना चल रहा था, प्रेसवाले हाय-हाय कर रहे थे, पूरा हिन्दुस्तान डांस कर रहा है।%% राहुल गांधी या कांग्रेस के नेता क्या किसी और धर्म के पैगम्बर व धार्मिक उत्सव पर इस प्रकार बयानबाजी करने का साहस दिखा सकते हैं। वास्तव में राहुल गांधी व कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से हिन्दुओं के प्रति नफरत से भरे हुए हैं और उनकी मोहब्बत की दुकान केवल मुस्लिम समाज के लिए ही खुली है।

राहुल गांधी राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर बार बार घिसा हुआ रिकॉर्ड बजा रहे हैं कि वहां पर उस समय कोई पिछड़ा नहीं था गरीब नहीं था श्रमिक नहीं था आदिवासी नहीं था अम्बानी अडानी थे, ऐश्वर्या नाच रही थी, राष्ट्रपति को आदिवासी होने के कारन बुलाया नहीं गया आदि-आदि। जबकि वास्तविकता यह है कि आज अब तक 11 करोड़ से अधिक श्रद्धालु राम भक्त अयोध्या में राम मंदिर का दर्शन कर चुके हैं जिसमें हर जाति वर्ग समाज के लोग आ रहे हैं।

राहुल गांधी को यह पता ही नहीं है कि केवल राम मंदिर ही नहीं वरन् काशी विश्वनाथ कारिडोर सहित जहां कहीं भी नव निर्माण कार्य संपन्न हो रहा है उसका उद्घाटन बिना श्रमिकों की उपस्थिति के नहीं किया जाता। श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह व काकाशी विश्वनाथ कारिडोर दोनों के उद्घाटनसमारोह से पूर्व स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रमिकों का सम्मान किया है। अयोध्या में श्रमिकों पर पुष्पवर्षा भी की गयी थी।

राम मंदिर पर राहुल गांधी की ताजा टिप्पणी से समस्त हिंदू समाज अपमानित व आंदोलित है। राहुल गांधी को यह बात साबित करनी ही होगी कि वहां पर कहां और किस प्रकार का नाच गाना हो रहा था। यदि भाजपा फैजाबाद सीट (अयोध्या जिसकी एक विधानसभा है) हार गई तो इसका मतलब यह कैसे हो गया कि हिंदू समाज राम मंदिर का आंदोलन हार गया। हिदू समाज राम मंदिर के लिए तब भी संघर्ष कर रहा था जब अयोध्या स्थित राम मंदिर की मुगल हमलावरों ने एक-एक ईंट निकालकर उसका अस्तित्व समाप्त करने का प्रयास किया था। राहुल गांधी को पता होना चाहिए कि भगवान राम, श्री कृष्ण व शिव हिन्दुओं के आराध्य हैं और वह लगातार इनका अपमान कर रहे हैं।

दतात्रेय गोत्र के नकली जनेऊधारी ब्राह्मण राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस व इंडी गठबंधन का रामद्रोही कुनबा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के समय कोपभवन में था, उसका रो-रोकर बुरा हाल हो रहा था आंखे सूज रही थीं उनके दिल और दिमाग में चारों ओर घोर निराशा व अंधकार छा गया था यही कारण रहा होगा कि राम मंदिर का उद्घाटन होने पर हिंदू समाज जो उल्लास, उमंग व उत्साह के जोश से परिपूर्ण था तथा होली, दीपावली, रथयात्रा सारे पर्व एक साथ मना रहा था वह आनंददायक वातावरण गलती से नेता प्रतिपक्ष बन बैठे राहुल गांधी को नाच गाना लगा होगा।

राहुल गांधी के बयानों से यह बात भी स्पष्ट हो गई है कि गांधी परिवार व उनका दल हिंदू विभाजन तथा उन्मूलन अभियान में लगा हुआ है। साथ ही यह बात भी तय है कि कांग्रेस अब मुसलमानों को रिझाने के लिए किसी भी सीमा पर जाकर कुछ भी करने को तैयार है फिर भले ही वह कार्य भारत विरोधी ही क्यों न हो।

पुराण दिग्दर्शन .... परिचयाध्याय

प्रमाण-संग्रहाध्यायः (दूसरा अध्याय)

गतांक से आगे...

(83) वाकोवाक्यं पुराणं च नाराशंसी च गाथिका। इतिहासांस्तथा विद्याः शक्त्याधोते हि योन्वहम्।। (याज्ञ0 1।45)

अर्थात्- जो वाकोवाक्य, पुराण, नाराशंसी, गाथा, इतिहास और अन्यान्याय विद्याओं का प्रतिदिन यथाशक्ति अध्ययन करता है (वह अपने पितरों को तृप्त करता है।)

(84) यतो वेदाः पुराणं च विद्योपनिषदस्तथा । श्लोकाः सूत्राणि भाष्याणि यत्किचिद् वाड्मयं जगद् । (याज्ञ0 प्रायश्चित्ताध्याय 3।186)

अर्थात्- जिन मुनियों से वेद, पुराण, विद्या, उपनिषद्, श्लोक सूत्र और भाष्य- जो कुछ भी वाड्मय है [सब प्रचरित हुये वे ही मुनि धर्मप्रवर्तक हैं] स्मृति ग्रन्थों में अन्यान्य भी सैकड़ों प्रमाण विद्यमान हैं, जो विस्तार- भय से अनावश्यक समझकर उद्धृत नहीं किये जा रहे हैं। आर्यसमाज के प्रवर्तक स्वामी दयानन्द ने भेषजं वै यन्मनुरब्रवीत ऐसा वेदप्रमाण देकर मनुस्मृति का प्रमाण माना है। क्या हम आशा करें कि मनु जी के कथनानुसार समाजी भाई श्राद्ध में फिर चाहे वह जीवितों का ही क्यों न हो - पुराणों का पाठ किया करेंगे ?

सूत्रग्रन्थ- (85) अथ स्वाध्यायमधीयते, ऋचो यजूंषि सामान्य- थर्वाङ्गिरसो ब्राह्मणानि कल्पान् गाथा नाराश सीतिहासः पुराणानि इति अमृताहुतिभिः (आश्वगृह्यसूत्र 3।3।1)

अर्थात्- वेदों का स्वाध्याय करना चाहिए। ऋग्आदि चारों वेद, ब्राह्मण, कल्प, गाथा, नाराशंसी, इतिहास और पुराण [इनका पाठ करने वाले के पितरों को अमृत की आहुतियों से तृप्ति होती है।

(86) इतिहासपुराणानि अमृतस्य कुल्याः। (आश्वलायन गृह्यसूत्र 4।6) अर्थात् - इतिहास और पुराणों [का पाठ करने वाले मनुष्य के पितरों को] अमृत की नहरें प्राप्त होती हैं। **क्रमशः ...**

गांधी जयन्ती : खुद से युद्ध की प्रेरणा देने वाले अहिंसक गांधी

ललित गर्ग

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जन्मदिन 2 अक्टूबर अब अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है। गांधी की अहिंसा ने भारत को गौरवान्वित किया है, भारत ही नहीं, दुनियाभर में अब उनकी जयन्ती को बड़े पैमाने पर अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। गांधी के अनुयायियों एवं उनमें आस्था रखने वाले उन तमाम लोगों को इससे हार्दिक प्रसन्नता हुई है जो बापू के सिद्वान्तों से गहरे रूप में प्रभावित हैं, अहिंसा के प्रचार-प्रसार में निरन्तर प्रयत्नशील हैं। यह बापू की अन्तर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता का बड़ा प्रमाण है। यह एक तरह से गांधीजी को दुनिया की एक विनम्र श्रद्धांजलि है। यह अहिंसा के प्रति समूची दुनिया की स्वीकृति भी कही जा सकती है। पडोसी देश पाकिस्तान को भी अहिंसा की प्रासंगिकता और ताकत को समझते हुए आतंकवाद को प्रोत्साहन देना बन्द करना चाहिए।

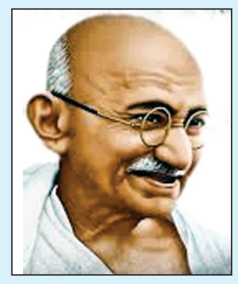

आज विज्ञान ने भौगोलिक दूरी पर विजय प्राप्त की है। सारा संसार एक गेंद के समान छोटा हो गया है, पर दूसरी ओर भाई-भाई में मानसिक खाई चौड़ी होती जा रही है। इस विरोधाभास के कारण पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय जीवन में बिखराव और तनाव बढ़ रहा है। यदि अहिंसा, शांति और समता की व्यापक प्रतिष्ठा नहीं होगी तो भौतिक सुख-साधनों का विस्तार होने पर भी मानव शांति की नींद नहीं सो सकेगा। अध्यात्म के आचार्यों ने हिंसा और युद्ध की मनोवृत्ति को बदलने के लिए मनोवैज्ञानिक भाषा का प्रयोग किया है। उन्होंने कहा है- युद्ध करना परम धर्म है, पर सच्चा योद्धा वह है, जो दूसरों से नहीं स्वयं से युद्ध करता है, अपने विकारों और आवेगों पर विजय प्राप्त करता है। जो इस सत्य को आत्मसात कर लेता है, उसके जीवन की सारी दिशाएं बदल जाती हैं। वह अपनी शक्तियों का उपयोग स्व-पर कल्याण के लिए करता है। जबकि एक हिंसक अपनी बुद्धि और शक्ति का उपयोग विनाश और विध्वंस के लिए करता है। पडौसी देश को अपनी अवाम के बारे में सोचना चाहिए। शायद वह कभी भी हिंसा एवं युद्ध नहीं चाहती है।

हमारे लिये यह सन्तोष का विषय इसलिये है कि अहिंसा का जो प्रयोग भारत की भूमि से शुरू हुआ उसे संसार की सर्वोच्च संस्था ने जीवन के एक मूलभूत सूत्र के रूप में मान्यता दी। हम देशवासियों के लिये अपूर्व प्रसन्नता की बात है कि गांधी की प्रासंगिकता चमत्कारिक ढंग से बढ़ रही है। दुनिया उन्हें नए सिरे से खोज रही है। उनको खोजने का अर्थ है अपनी समस्याओं के समाधान खोजना, हिंसा एवं आतंकवाद की बढ़ती समस्या का समाधान खोजना। शायद इसीलिये कई विश्वविद्यालयों में उनके विचारों को पढ़ाया जा रहा है, उन पर शोध हो रहे हैं। आज भी भारत के लोग गांधी के पदचिन्हों पर चलते हुए अहिंसा का समर्थन करते है। पडौसी देश के साथ भी लगातार अहिंसा से पेश आते रहे हैं, लेकिन उन्होंने हमारी अहिंसा को कायरता समझने की भूल की है। गांधीजी आज संसार के सबसे लोकप्रिय भारतीय बन गये हैं, जिन्हें कोई हैरत से देख रहा है तो कोई कौतुक से।

हमास, हिजबुल्लाह, हूती, ईरान, सबको ठोकेगा इजरायल

अभिनय आकाश

साल 2012 में अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी फिल्म गैंग ऑफ वासेपुर, बदला लेने की इस कहानी में अपने घरवालों की मौत का बदला लेने की बात करते हुए नवाजुद्दीन सिद्दकी अपनी मां से कहता है- बाप का, दादा का, भाई का, सबका बदला लेगा रे तेरा फैजल। फिल्म को रिलीज हुए 12 साल हो गए हैं पर फिर भी इसके डायलॉग के मुकाबले हर किसी की जुबान पर रहते हैं। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज बुश, वर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन जो नहीं कर सके क?या पीएम नेतन्?याहू उसे पूर करके दिखाएंगे? क्या हमास को हूती को हिज्बुल्लाह को, ईरान को सबको खत्म करने के लिए इजरायल कमर कस चुका है? आतंक के ट्रिपल एच यानी हिजबुल्ला, हमास और हूती पर इस समय इजरायल कहर बनकर टूट पड़ा है। निशाने पर वो आतंकवादी संगठन हैं जो इस समय इजरायल पर हमले कर रहे हैं। इजरायल चौतरफा जंग का आगाज कर चुका है और हमास व हिजबुल्ला के चीफ को मार गिराने के बाद अब बारी हूती विद्रोहियों की है। हमास चीफ इस्माइल हानिया, हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह के बाद अब बारी हूती चीफ की लग रही है। यमन में इजरायल ने जोरदार हमले शुरू कर दिए हैं। लेबनान में आफत मचाने के बाद अब इजरायल का अगला टारगेट यमन लग रहा है। यमन में लगातार जोरदार हमले हो रहे हैं। 29 सितंबर से लगातार हो रहे हमले को देखकर साफ लग रहा है कि अब इजरायल के निशाने पर हूती चीफ है।

हूती वही है जिसने अरब सागर में लगातार इजरायल की जहाजों को रोका है। वो जहाज जो एक जगह से दूसरे जगह व्यापार के लिहाज से ले जाए जा रहे थे। उन्हें बार बार हूती विद्रोहियों द्वारा रोका गया। इन्हें रोकने के लिए अमेरिका और ब्रिटेन की सेना ने भी मोर्चा संभाला। हूती के आतंक को रोकने के लिए इजरायल ने खुद हमले तेज कर दिए हैं। यमन में घुसकर जोरदार एयरस्ट्राइक इजरायल की तरफ से की गई है। जानकारी के मुताबिक इजरायल अकेला ईरान, हिजबुल्लाह, हमास और यमन के हूती विद्रोहियों से इजरायल अकेला मोर्चा संभाले हुए है। हिजबुल्लाह पर एक्शन के बाद इजरायल ने हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर जोरदार हमला किया है। बताया जा रहा है कि आईडीएफ ने बिजली संयंत्रों और एक बंदरगाह पर हमला किया, जिसका इस्तेमाल तेल आयात करने के लिए किया जाता है।

ये हूती आंदोलन का नारा है। एक छोटी विद्रोही सेना जो अब यमन के 70 प्रतिशत हिस्से पर शासन करती है। सऊदी अरब व इजरायल के खिलाफ बेहतर युद्ध लड़ रहे हैं। कोई बगावत करता है और समूह में करता है तो विद्रोही गुट के नाम से पहचाना जाता है। मिडिल ईस्ट में यमन नाम का देश है, जिसके उत्तर में सऊदी अरब है और पूर्व में ओमान की सीमा है। बाकी दिशाओं में फैला है विशाल समुद्र। यमन के उत्तर पश्चिम में सैना नामक शहर है। 1990 के दशक में यहां पर द बिलिविंग यूथ नाम से एक छात्र आंदोलन शुरू हुआ। इसके फाउंडर का नाम बेद्दीन हुसैन अल हूती था। इस संगठन का मतलब जैदी इस्लाम का पुनर्जागरण था। दरअसल,

ज़ैदी या ज़ैदिय्या शिया इस्लाम के एक संप्रदाय को कहते हैं जो मुख्यतः अधिकांश यमन मे एवं ईराक, ईरान, भारत, पाकिस्तान में थोडा जनसंख्या में मौजूद है। 1978 में उत्तरी यमन में एक आर्मी के अफसर अली अब्दुल्ला सालेह को राष्ट्रपति बनाया गया। उनके दौर में उत्तरी और दक्षिणी यमन के बीच फिर से लड़ाई हुई। जिसमें हजारों लोग मारे गए। बेद्दीन हुसैन अल हूती ने बिलिविंग यूथ नाम से एक स्टूडेंट मूवमेंट चलाया। अगर हूती नाम के बात करें तो ये इस अभियान के संस्थापक हुसैल अल हूती के नाम से है। इन एजेंडा भी इस्लाम को बढ़ावा देना और यहूदियों को खत्म करना है।

हिज्बुल्लाह एक शिया इस्लामी संगठन है, जिसे 1980 के दशक में लेबनान में शुरू किया गया था। यह संगठन मुख्य रूप से इस्राइल के खिलाफ संघर्ष के लिए बना था। धीरे-धीरे यह एक सशक्त राजनीतिक और सैन्य संगठन बन गया। इस संगठन को ईरान का समर्थन है। हालांकि इस्राइल समेत कई देश इसे एक आतंकी संगठन के तौर पर देखते हैं।

हिज्बुल्लाह का चीफ हसन नसरल्लाह था। हसन न सिर्फ हिज्बुल्लाह का प्रमुख नेता था, बल्कि मिडिल ईस्ट के सबसे प्रभावशाली शख्सियतों में से एक था। उसने हिज्बुल्लाह को एक शक्तिशाली सैन्य संगठन के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। वह ईरान का निकट सहयोगी माना जाता था और हिज्बुल्लाह के समर्थकों के बीच उसका काफी सम्मान था। हसन नसरल्लाह का जन्म 1960 में बेरूत में हुआ था। पिता अब्दुल करीम सब्जी की छोटी दुकान चलाते थे। नसरैल्लाह 1970 के दशक में शिया मिलिशिया संगठन अमल में शामिल हो गया और इस तरह राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। 1982 में वह हिज्बुल्लाह का हिस्सा बना। 1992 में जब अब्बास अल-मुसावी मारा गया तो नसरल्लाह 32 की उम्र में हिज्बुल्लाह का नेता बन गया। नसरल्लाह की सोच शिया इस्लाम और इस्राइल के खिलाफ संघर्ष पर आधारित है। उसने 1985 में ओपन लेटर में अमेरिका और सोवियत संघ को इस्लाम का शत्रु बताया था, और इस्राइल को मुस्लिम भूमि पर कब्जा करने वाला कहा था। वह इस्राइल का विनाश चाहता था। नसरल्लाह ने हिज्बुल्लाह को सैन्य और राजनीतिक ताकत में बदलने में बेहद अहम भूमिका निभाई। उसके नेतृत्व में हिज्बुल्लाह ने 2000 में इस्राइल को दक्षिणी लेबनान से पीछे हटने पर मजबूर कर दिया था। 2006 के इस्राइल-हिज्बुल्लाह वॉर में भी उसकी निर्णायक भूमिका दिखी थी, जिसमें उसने इस्राइल के खिलाफ बड़ी सैन्य कार्रवाइयां की। नसरल्लाह ने हिज्बुल्लाह को ईरान से हथियार और मिसाइलें दिलाने में भी भी मदद की।

हसन नसरल्लाह हिज्बुल्लाह की ताकत था। इस बात को हिज्बुल्लाह और इस्राइल दोनों अच्छी तरह जानते थे। इसलिए, जहां एक तरफ हिज्बुल्लाह अपने नेता को बचाने के लिए तमाम कोशिशें करता रहा, वहीं इस्राइल उसे मारने के लिए तरह-तरह की रणनीति बनाता रहा। न्यू यॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, नसरल्लाह को इस्राइल से खतरे को देखते हुए वह कई सालों से किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में नजर नहीं आया था। वह अनाम जगह से अपने विडियो जारी करता था। बावजूद, इसके इस्राइल ने को बेरूत में स्न35 विमानों से टन के 85 बम गिराए। इस नसरल्लाह समेत हिज्बुल्लाह के अन्य लीडर बेरूत के दहियेह स्थित अपने हेड क्वॉर्टर में मीटिंग कर रहे थे, जिसकी रीयल टाइम जानकारी इस्राइल को थी। इजरायल की एयर फोर्स के कहा कि पायलटों को उड़ान कुछ समय पहले ही लक्ष्य जानकारी दी गई थी और वे समझ क्या करने जा रहे हैं। रीयल इंटलेजिंस से यह संभव हुआ।

आज का इतिहास

1949 सोवियत संघ ने पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना को मान्यता दी।

1950 मूंगफली, चार्ल्स एम। शुल्ज की सिंडिकेटेड कॉमिक स्ट्रिप, जिसमें चार्ली ब्राउन और उनके पालतू स्नूपी शामिल थे, पहली बार प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित हुई थी।

1952 सामुदायिक विकास कार्यक्रम की शुरूआत हुई।

1961 अमेरिकी सशस्त्र बलों के मजबूत प्रतिरोध के बावजूद, डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी (सील चित्र) का गठन किया गया, जो देश का प्रमुख वैश्विक सैन्य जासूसी संगठन बन गया।

1963 तूफान फ्लोरा, हैती, क्यूबा, ??त्रिनिदाद, और टोबैगो, ग्रेनेडा में 6,000 की भारी तूफान से मृत्यु हो जाती है, यह घातक और विनाश के लिए दर्ज किए गए सबसे खराब तूफानों में से एक माना जाता था।

1967 थर अच्छा मार्शल ने संयुक्त राज्य अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय के पहले अफ्रीकी-अमेरिकी न्यायमूर्ति के रूप में शपथ ली।

1968 मैक्सिको में एक क्रूर बंदूक लड़ाई के कारण 25 से अधिक लोगों की मौत हो गई। हजारों छात्रों ने नेशनल पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट के सैन्य कब्जे पर आपत्ति जताई थी।

1968 मेक्सिको सिटी के टलेटोलको सेक्शन में एक शांतिपूर्ण छात्र प्रदर्शन को हिंसक रूप से दबा दिया गया जब सेना और पुलिस बलों ने भीड़ में गोलीबारी की।

1974 तुलन यूनिवर्सिटी मेडिकल स्कूल, न्यू ऑरलियन्स के . रॉबर्ट हीथ द्वारा किए गए अध्ययनों के अनुसार, कैनबिस धूम्रपान धूम्रपान मस्तिष्क क्षति का कारण बन सकता है।

1982 ईरान की राजधानी तेहरान में हुए बम विस्फोट में लगभग 60 लोगो की मृत्यु और 700 लोग घायल हुए।

1983 नील किन्नक ब्रिटिश लेबर पार्टी के नेता चुने गए।

1987 डेनमार्क समान लिंग वाले जोड़ों के बीच नागरिक संघों को वैध बनाने वाला पहला देश बन गया।

1990 चीन के गुआंगझोउ बाईयून अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक अपहृत विमान दो अन्य विमानों से टकरा गया, जिससे कुल 128 लोग मारे गए।

1992 जेल के दंगे के जवाब में, सैन्य पुलिस ने ब्राजील के साओ पाउलो में कारांडिरु प्रायद्वीप पर धावा बोल दिया, जिसमें कम से कम 100 कैदी मारे गए।

1996 बुल्गारिया के पूर्व प्रधान मंत्री एंड्री लुकानोव की हत्या कर दी गई।

स्वच्छ भारत अभियान का एक दशक

उमेश चतुर्वेदी

साल 1901 के कोलकाता के कांग्रेस अधिवेशन में दक्षिण अफ्रीका से हिस्सा लेने पहुंचे गांधी को अजीब अनुभव हुआ। प्रतिनिधियों को ठहरने वाले शिविर में सफाई की हालत बेहद खराब थी। कई प्रतिनिधि ऐसे थे, जिन्होंने उन कमरों के बाहर बने बरामदे का ही शौचालय के रूप में इस्तेमाल कर दिया। दुर्गंध और गंदगी के बावजूद दूसरे प्रतिनिधियों को इस पर कोई ऐतराज नहीं था। लेकिन गांधी जी से बर्दाश्त नहीं हुआ। तब तक वे पश्चिमी वेशभूषा में रहते थे। अधिवेशन में सहयोग के लिए तैनात स्वयंसेवकों से गांधी जी ने स्वच्छता की बाबत बात की, तो उन्होंने टका-सा जवाब दे दिया था, यह हमारा काम नहीं है, यह सफाईकर्मी का काम है। गांधी जी से बर्दाश्त नहीं हुआ। उन्होंने अपने कपड़े उतारे, झाड़ू मंगवाई और वहां मौजूद गंदगी साफ को साफ करने में जुट गए। सफाई के बाद वे फिर से कोट-पैंट में आ गए।

भारतीय राजनीति में तब तक गांधी का सितारा बहुत नहीं चमक पाया था। लेकिन उन्होंने राजनीति की दुनिया में सफाई के विचार का बीज रोप दिया। कोलकाता अधिवेशन में दिखी गंदगी का ही असर कह सकते हैं कि बाद के दिनों में उन्होंने विचार दिया, स्वतंत्रता से ज्यादा जरूरी स्वच्छता है। गांधी के रचनात्मक शिष्यों यथा बिनोबा, ठक्कर बापा आदि ने स्वच्छता और सफाई के इस गुर को बहुत आगे बढ़ाया। लेकिन जिसे मुख्यधारा की राजनीति कहते हैं, उसने स्वच्छता के गांधीवादी दर्शन को उसी रूप में बाद में शायद ही स्वीकार किया। इन संदर्भों में देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले राजनेता हैं, जिन्होंने अहम जिम्मेदारी संभालते हुए स्वच्छता और शौचालय क्रांति की बात की। शायद ही किसी ने सोचा होगा कि कोई प्रधानमंत्री लालकिले की प्राचीर से शौचालय क्रांति की बात करेगा। लेकिन मोदी ने ना सिर्फ शौचालय क्रांति की, बल्कि इसके डेढ़ महीने बाद गांधी जी की जयंती पर 2 अक्टूबर 2014 को खुद ही फावड़ा और झाड़ू उठा लिया। इसके साथ ही देश के सामने एक नया अभियान आया, 'स्वच्छ भारत अभियान'।

स्वच्छ भारत अभियान के एक दशक पूरे हो गए हैं। इस दौरान स्वच्छता के मोर्चे पर देश ने बहुत कुछ हासिल किया है। ऐसा नहीं कि भारत में स्वच्छता की अवधारणा नहीं रही है। भारत के प्राचीन ग्रंथ,सामाजिक व्यवस्था और मंदिर संस्कृति की परंपराएं स्वच्छता की भारतीय धारा की गवाह हैं। यह कह सकते हैं कि बाद के दिनों में भारतीय स्वच्छता सिर्फ व्यक्तिगत स्वच्छता तक सीमित होकर रह गई थी। भारतीयों के एक बड़े वर्ग की सोच सफाई को लेकर ज्यादा निजी थी। शायद ही कोई भारतीय घर होगा, जहां रोजाना झाड़ू ना लगती हो। स्वच्छ भारत अभियान के पहले होता यह था कि झाड़ू लगती तो थी,लेकिन कूड़ा गली में या सड़क पर या सार्वजनिक जगहों पर फेंक दिया जाता था। प्रधानमंत्री मोदी के स्वच्छ भारत अभियान के शुरू करने के बाद इस सोच में बदलाव आया है। वैसे मानव स्वभाव कोई बिजली का बल्ब नहीं है कि बटन दबाया और जल या बुझ जाएगा। उसमें बदलाव आने में देर होती है। बदलाव को वह जल्दी से स्वीकार नहीं कर पाता। इसीलिए स्वच्छता के मोर्चे पर हम देखते हैं कि सौ प्रतिशत सफलता हासिल नहीं की जा सकी है। रेलवे लाइनों के किनारे पड़े कूड़े के अंबार अब भी बने हुए हैं। लेकिन स्वच्छ भारत अभियान के दस वर्षों में यह सोच जरूर विकसित हुई है कि निजी ही नहीं, सार्वजनिक स्वच्छता जरूरी है। नई पीढ़ी के बच्चे तो अब बड़े-बड़ों को सार्वजनिक गंदगी के लिए टोक देते हैं।

स्वच्छता को लेकर महात्मा गांधी ने कहा था, मैं किसी को भी अपने दिमाग़ से गंदे पैर लेकर नहीं गुज़रने दूँगा। गांधी के इस दर्शन पर भी चलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान शुरू करते हुए कहा था, %न मैं गंदगी करूंगा, न मैं गंदगी करने दूंगा।% सार्वजनिक समारोहों में उनकी यह सोच अक्सर परिलक्षित होती है। किताब आदि के विमोचन के दौरान रैपर आदि को वे मोड़कर अपनी जेब में रख लेते हैं। इससे देश के अधिसंख्य लोगों ने प्रेरणा ली है और उस पर अमल भी कर रहे हैं।

स्वच्छता अभियान की सफलता ही कहेंगे कि देश के बारह करोड़ घरों में शौचालय बन चुके हैं। स्वच्छ भारत अभियान की एक दशक की यात्रा में न केवल शौचालय कवरेज में भारी वृद्धि हुई है, बल्कि खुले में शौच की कुप्रथा तकरीबन खत्म हो गयी है। स्वच्छता का मतलब सिर्फ सफाई ही नहीं, खाने-पीने की चीजें भी स्वच्छ होनी चाहिए। इस लिहाज से हर घर नल जल योजना को भी स्वच्छ भारत अभियान से जोड़ सकते हैं। जिसके तहत पाइप से स्वच्छ पानी की आपूर्ति की कवरेज दस सालों में 16 प्रतिशत से बढ़कर 78 प्रतिशत हो गई है। देश में धुएं के प्रदूषण से महिलाओं को रोजाना दो-चार होना पड़ता था। उज्ज्वला योजना के जरिए इस दिशा में स्वच्छ भारत अभियान को सफल कहा जा सकता है। इस योजना के तहत 11 करोड़ घरों में रसोई गैस का कनेक्शन पहुंच चुका है।

स्वच्छ भारत अभियान से स्वास्थ्य के मोर्चे पर बड़ा बदलाव आया है। हालही में विश्व प्रसिद्ध पत्रिका नेचर में स्वच्छ भारत अभियान के बाद आए भारत में बदलावों के शोध पर आधारित एक लेख छपा था। इससे पता चलता है कि स्वच्छ भारत अभियान गेम चेंजर बन गया है। नेचर पत्रिका में प्रकाशित आलेख कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान और ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के एक शोध पर आधारित है। जिससे पता चलता है कि खुले में शौच की कुरीति खत्म होने के बाद और शौचालय क्रांति से देश में शिशु मृत्यु दर में कमी आई है। शोध पत्र में कहा गया है कि खुले में शौच की कुरीति के खत्म होने से हर वर्ष करीब 60 हजार से 70 हजार शिशुओं की मृत्यु को रोकने में सफलता मिली है। शोध पत्र के अनुसार, वर्ष 2000 से 2015 की तुलना में वर्ष 2015 और 2020 के बीच शिशु मृत्यु दर एक तिहाई रह गई...इसके आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2000 और 2015 के बीच शिशु मृत्यु दर में जहां तीन प्रतिशत वार्षिक की गिरावट रही, वहीं बाद में यह गिरावट आठ से नौ प्रतिशत ज्यादा हुई। इसी तरह 2000 और 2015 के बीच की तुलना में बाद के वर्षों में शिशु मृत्यु दर में 10 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। इस लेख मुताबिक, साल 2014 में शिशु मृत्यु दर जहां 39 अंक थी, वह साल 2020 में घटकर 28 रह गई।

स्वच्छता अभियान की सफलता की कहानी विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट भी करती है। इस रिपोर्ट के अनुसार, स्वच्छता अभियान के चलते 2014 से 2019 के बीच डायरिया से होने वाली मौत के करीब तीन लाख मामले कम हुए, जो इसके पहले की अवधि में ज्यादा थे। इसी रिपोर्ट के मुताबिक, खुले में शौच की कुरीति खत्म होने से हर परिवार के स्वास्थ्य पर होने वाले करीब 50 हजार रूपए सालाना के खर्च की बचत हुई है। इसके साथ ही भूजल की गुणवत्ता भी पहले की तुलना में बेहतर हुई है। शौचालय क्रांति के चलते अब करीब 93 प्रतिशत महिलाएं अपने घरों में ज्यादा सुरक्षित महसूस करती हैं। क्योंकि अब उन्होंने शौच के लिए बाहर नहीं जाना पड़ा।

स्वच्छ भारत अभियान साल 2020 से संपूर्ण स्वच्छता अभियान में तब्दील किया जा चुका है। जिसके लिए एक लाख चालीस हजार करोड़ की रकम आवंटित की गई है। जाहिर है कि स्वच्छता के मोर्चे पर देश ने बहुत कुछ हासिल किया है। लेकिन यह कहना अभी जल्दीबाजी होगी कि देश ने इस दिशा में सबकुछ हासिल कर ही लिया है। लेकिन अब भी देश के कुछ इलाके ऐसे हैं, जहां का मानस सार्वजनिक स्वच्छता को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध और सचेत नहीं हो पाया है। जरूरी इस वर्ग को पूरी तरह प्रतिबद्ध और सचेत करना है। स्वच्छता में ढिलाई बरतने वाले तंत्र के दंडात्मक विधान की व्यवस्था करनी होगी, तभी आज का भारत प्राचीन भारत की तरह पूरी तरह स्वच्छ हो पाएगा।

बुजुर्गों का जीवन चिंतामुक्त बनाना सरकारों का दायित्व

दीपिका अरोड़ा

धन संचय मानव जीवन की प्राथमिकता मानना भले ही उपयुक्त न हो किंतु आत्मनिर्भरता के स्तर पर आर्थिक रूप से सुदृढ़ होना अपने आप में बहुत महत्व रखता है; विशेष रूप से वृद्धावस्था में, जब अप्रत्याशित रूप से बढ़त बनाते जा रहे रोगों के समुचित उपचार हेतु पर्याप्त धनराशि की आवश्यकता महसूस होने लगे। राष्ट्रीय स्तर पर वस्तुस्थिति का अवलोकन करें तो नियमित आय स्त्रोत उपलब्ध न होने के कारण बुजुर्गों की एक बड़ी संख्या चिकित्सीय लाभ उठाने से वंचित रह जाती है। इसी बात को संज्ञान में रखकर हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' की परिधि को विस्तार देते हुए , 70 वर्ष अथवा इससे अधिक आयु वर्ग के सभी वरिष्ठ नागरिकों को इसमें शामिल करने का निर्णय लिया है। वास्तव में यह विचार लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान भाजपा द्वारा जारी संकल्प पत्र का ही अंश है, जिसके तहत सरकार बनने पर देश के सभी बुजुर्गों को मुफ्त इलाज मुहैया करवाने का वायदा किया गया था। 'आयुष्मान भारत' योजना के अंतर्गत, देश के लगभग 4.5 करोड़ परिवारों के करीब 6 करोड़ वरिष्ठजनों को 5 लाख रुपए के निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा कवर से लाभान्वित करने की बात कही जा रही है। इसके अनुसार, उन्हें बिना किसी भेदभाव अलग से कार्ड जारी किए जाएंगे, भले ही उनकी सामाजिक व आर्थिक स्थिति कैसी भी हो। परिवार में 70 साल के दो बुजुर्ग होने पर उन्हें इस योजना का लाभ सांझे तौर पर मिलेगा। 2018 में सरकार द्वारा आरंभ की गई इस योजना में पहले केवल निर्धन वर्ग ही 5 लाख तक के कैशलैस कवर के जरिए इसका लाभार्थी बन सकता था। निम्न वर्ग के जो वरिष्ठ नागरिक पूर्व में ही इस योजना का लाभ उठा रहे थे, उन्हें अब 5 लाख रुपए टॉप-अप कवर मिल सकेगा। 70 वर्ष से अधिक उम्र के जो वरिष्ठ नागरिक पहले ही केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं व अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं, वे विकल्प के रूप में पुरानी अथवा नई योजना में से किसी एक का चयन कर सकते हैं। परिवर्तित समय की बात करें तो हमारा सामाजिक परिदृश्य बड़ी तेजी से बदल रहा है। आजीविका उपार्जन हेतु परदेस जाने की विवशता अथवा स्वतंत्र जीवन जीने की अभिलाषा के चलते संयुक्त परिवार व्यवस्थाएं टूट रही हैं, जिसका सीधा असर बुजुर्गों के रहन-सहन पर पड़ा है। एकाकीपन का दंश सहने के साथ निरंतर गिरता स्वास्थ्य संभालने की सोच एक बड़ी चिंता बनकर उभरने लगी है। राष्ट्रीय स्तर पर बुजुर्गों को आर्थिक सुदृढ़ता, आवासीय सुरक्षा अथवा संतोषजनक चिकित्सीय सुविधा मुहैया करवाने के विषय में हमारी व्यवस्थाएं अनेक पाश्चात्य देशों की अपेक्षा कहीं पीछे हैं। निजी क्षेत्र की चिकित्सा महंगी होने के कारण बहुत से लोगों की पहुंच से बाहर है जबकि सरकारी चिकित्सा का ढांचा संतोषजनक नहीं आंका जा सकता। महंगाई के दौर में संसाधनों की कमी के चलते अतिरिक्त खर्च उठा पाना सभी के लिए संभव नहीं। नाममात्र की जमापूंजी यदि दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति तक ही सीमित हो तो ऐसे में समस्याओं का गहराना स्वाभाविक है। 'हैल्पएज इंडिया' एन.जी.ओ. द्वारा किए गए एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण से संबद्ध आंकड़े, भारत के कम से कम 47 प्रतिशत वृद्धजन आर्थिक रूप से अपने परिवारों पर आश्रित होने तथा 34 प्रतिशत बुजुर्ग पैंशन एवं सरकारी नकद हस्तांतरण पर निर्भर होने की बात बताते हैं। केंद्र व राज्य प्रायोजित योजनाओं का नियमित तथा सुचारू संचालन हो तो ही बुजुर्गों की अवस्था को लेकर समाज की वर्तमान तस्वीर बदल सकती है। बदलती तस्वीर का सकारात्मक रुख अपने आप में सर्वांगीण राष्ट्रीय विकास का द्योतक है।

भगवान के नाम पर राजनीति न करें

कौशल किशोर

अयोध्या में 22 जनवरी को हुई प्राण प्रतिष्ठा के लिए तिरुपति तिरुमाला मंदिर से भेजे गए लड्डुओं में सूअर की चर्बी, बीफ-टैलो और फिश ऑयल की मिलावटखोरी का मामला सुर्खियों में है। खाद्य पदार्थों की बिक्री करने वाले प्रतिष्ठानों पर मालिकों व सेवादारों के विषय में जानकारी सार्वजनिक करने का दूसरा मामला भी मिलावट से ही जुड़ा है। इन दोनों मामलों में राजनीति जमकर हो रही है। समस्या दूर करने के बदले राजनीतिक कार्यकर्त्ताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि राजनीति से भगवान को दूर ही रखें।

देश में मिलावटखोरी का गोरखधंधा बेखौफ चल रहा है। इसमें आस्था का तड़का लगने से व्यंजन जायकेदार हो गया है। अपना देश दुग्ध उत्पादन के मामले में दुनिया भर में सभी को पीछे छोड़ चुका है। औसतन 15 करोड़ लीटर दुग्ध उत्पादन प्रतिदिन पशुओं से होता है। इतनी ही मात्रा मिल्क पाऊडर से बने दूध की है। लेकिन प्रतिदिन दूध की खपत 65 करोड़ लीटर होती है। इससे स्पष्ट है कि आधी से ज्यादा खपत नकली दूध की है। आस्था के नाम पर मिलावटखोरी के खिलाफ उद्वेलित वर्ग इस सच्चाई से पहले से ही वाकिफ है।

इस सक्रियता के कारण यदि मिलावट के इस गोरखधंधे से देश को मुक्ति मिले तो बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी। राजनीतिक जमात और धर्माचार्यों का यह समीकरण देश को मिलावटी खाद्य पदार्थों से मुक्ति दिलाएगा अथवा ध्रुवीकरण की राजनीति का यह अगला पैंतरा साबित होगा, इस पर दावे से कुछ कह पाना आसान नहीं है। खाद्य पदार्थों व दवाइयों में मिलावट की समस्या लगातार बढ़ रही है। धीमे जहर के इस कारोबार पर रोक लगाने के लिए सात दशक पहले कानून बनाया गया था। फिर इसमें संसद कई संशोधन भी करती है। आज इस अपराध के दोषियों के लिए छह महीने की कैद व एक हजार रुपए का जुर्माना भी वसूलने का प्रावधान है।

असम, बंगाल, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में मिलावटखोरी के अपराधियों के लिए उम्र कैद की सजा का प्रावधान किया गया है। परंतु कठोर कानून से मिलावट का यह धंधा इन पांच प्रदेशों में बंद हो गया हो, ऐसी कोई बात नहीं है। इतनी बात अवश्य हुई कि इन मामलों में प्रशासन की उगाही बढ़ी है। लोक समाज की सक्रियता के बिना कानून और प्रशासन के बूते इस समस्या से पार पाना मुमकिन नहीं है। विश्व प्रसिद्ध तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम में दर्शन के लिए औसतन 87 हजार भक्त प्रतिदिन आते हैं। इन्हें प्रसाद के रूप में लड्डू दिया जाता है। इसके लिए प्रतिमाह 42 हजार किलो 'शुद्ध देसी घी' खरीदा जाता है। देवस्थानम ने 319.80 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से 'शुद्ध देसी घी' की सप्लाई करने वाली कम्पनी ए.आर. फूड सप्लाई प्राइवेट लिमिटेड के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की है।

वैदिक घी के नाम से केसरिया फर्म इसे 699 रुपए प्रति किलो व पतंजलि आयुर्वेदा गाय घी 665 रुपए प्रति किलो की दर से बाजार में आज बेच रही हैं। गांव के किसान 750 रुपए से 800 रुपए प्रति किलो की दर से देसी घी बेच रहे हैं। मंदिर ट्रस्ट द्वारा आज भी कई जगह से 20 से 30 रुपए प्रति लीटर की दर से गाय और भैंस का दूध खरीदा जा रहा है। क्या इन्हें पता नहीं है कि यह श्रद्धालु और भक्त के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है? यदि इन प्रतिष्ठित मठों-मंदिरों में यह पाप स्वीकार्य नहीं होता तो इतनी शीघ्रता से शुद्धिकरण का मार्ग भी नहीं निकल पाता। चुटकी बजाते ही समस्या छूमंतर करने वाले धर्माचार्यों ने बड़ी आसानी से गंगा जल से धो-पोंछ कर समस्या दूर कर दी है। शुद्धिकरण का मार्ग प्रशस्त करने वाले इन धर्माचार्यों ने इस गोरखधंधे में अप्रत्यक्ष सहमति व्यक्त की है। आंकड़ों से स्पष्ट है कि ऐसे 'शुद्ध देसी घी' का प्रयोग कर बनाए गए लड्डुओं के प्रसाद का इस्तेमाल तिरुपति देवस्थानम में धड़ल्ले से हो रहा है। क्या श्रद्धालुओं और भक्तों की अप्रत्यक्ष सहमति के बगैर ऐसा संभव है? यहां गौर करने की बात है कि आस्था के इस कारोबार में लगे धर्माचार्य तो भक्तों को मुक्ति का मार्ग बताते हुए त्रिशंकु बनाने से भी नहीं चूकते हैं।

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफ.एस.एस.ए.आई.) दूध और दुग्ध उत्पादों की तत्काल जांच के लिए इलैक्ट्रॉनिक किट के इस्तेमाल को प्रोत्साहित करते हैं। इन उपकरणों की मदद से उपयोग से पहले ही आसानी से गुणवत्ता परीक्षण मुमकिन है। लेकिन औने-पौने दाम पर खरीद करने वाले ऐसा करने के लिए नैतिक रूप से समर्थ नहीं हैं। इसलिए किसी सप्लायर की अपेक्षा मंदिर के प्रबंधक जिम्मेदार होते हैं। इस केस में तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम से बड़ा दोषी कोई सप्लायर नहीं माना जा सकता। तिरुपति मंदिर का प्रबंधन राज्य सरकार करती है। देश भर में हजारों ऐसे मंदिर हैं जिनका प्रबंधन राज्य सरकार के अधीन है। जिन मंदिरों में राज्य की कोई दखलअंदाजी नहीं है, उनकी दशा भी ऐसी है। मिलावटखोरों को धर्माचार्यों की मदद से ईश्वर की कृपा प्राप्त हो रही है। धर्म की मर्यादा का पालन करने वाले आचार्य अब मिठाइयों के बदले फल और मेवा प्रसाद के रूप में प्रयोग करने लगे हैं।

75 साल पर क्यों मचा है बवाल

पूनम पाण्डे

चुनाव के सीजन में राजनीतिक दलों के नेता एक-दूसरे पर हमले भी तेज कर देते हैं। अगले साल दिल्ली में विधानसभा चुनाव होने तो हैं इसकी भी अपनी रस्साकशी चल रही है। दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर सवाल पूछ रहे हैं। जहां लोकसभा चुनाव के वक्त वह भाजपा से सवाल पूछ रहे थे, वहीं अब भाजपा के वैचारिक संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से सवाल पूछ रहे हैं। वह पूछ रहे हैं कि क्या पीएम मोदी 75 साल में रिटायर होंगे? प्रधानमंत्री मोदी अगले साल 17 सितंबर को 75 साल के हो जाएंगे।

लोकसभा चुनाव के वक्त भी जब अरविंद केजरीवाल ने यह सवाल पूछा था तो उसका जवाब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके दिया था। उन्होंने 11 मई को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, '75 साल में रिटायरमेंट का भाजपा के संविधान में कोई जिक्र नहीं है।' शाह ने कहा कि 'मोदी जी 75 साल के हो जाएं, इससे आपको आनंदित होने की जरूरत नहीं है। ये भाजपा के संविधान में कहीं नहीं लिखा है। मोदी जी ये टर्म पूरी करेंगे। मोदी जी ही आगे देश का नेतृत्व करते रहेंगे। भाजपा में कोई कन्फ्यूजन नहीं है।' केजरीवाल ने पूछा था कि मोदी अगले साल 75 साल के हो जाएंगे, क्या भाजपा उन्हें लालकृष्ण आडवाणी की तरह रिटायर करेगी?

सवाल यह है कि जब भाजपा के संविधान में इसका कोई जिक्र नहीं है तो यह बात बार-बार क्यों आती है कि 75 साल का होने के बाद मोदी मार्गदर्शक मंडल में चले जाएंगे? दरअसल, जब अमित शाह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे तब 26 अगस्त 2014 को पार्टी की ओर से एक प्रेस रिलीज जारी की गई थी। उसमें कहा गया था कि 'भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने पार्टी की गतिविधियों के मार्गदर्शन के लिए वरिष्ठ नेताओं की मार्गदर्शक मंडल में नियुक्ति की है'। इस लिस्ट में अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी के नाम थे। साथ ही, इस लिस्ट में नरेंद्र मोदी और राजनाथ सिंह के नाम भी थे।

मार्गदर्शक मंडल को रिटायरमेंट जैसा मानने की शुरुआत तब हुई, जब अमित शाह के अध्यक्ष रहते भाजपा का नया संसदीय बोर्ड बना तो उसमें अटल बिहारी, लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी का नाम नहीं था। पार्टी का सबसे ताकतवर निकाय संसदीय बोर्ड ही है। तब पहली बार मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और पार्टी के तत्कालीन महासचिव जेपी नड्डा को इसमें जगह दी गई थी।

हर चुनाव में इस बात की चर्चा होती रहती है कि भाजपा 75 साल से ज्यादा उम्र के अपने नेताओं को टिकट नहीं देगी और वहां 75 साल में रिटायर हो जाते हैं। इन चर्चाओं का भाजपा ने कभी कोई खंडन नहीं किया। पिछले साल कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा को लेकर जब एक न्यूज चैनल के प्रोग्राम में अमित शाह से पूछा गया तो उन्होंने जवाब दिया कि 'कांग्रेस में रिटायरमेंट का कॉन्सेप्ट ही नहीं है। कांग्रेस की व्याख्या है कि राजनीति में सक्रियता का मतलब है चुनाव लड़ना और सत्ता प्राप्त करना। मेरी पार्टी का ये नहीं है।'

यह बात सही हो सकती है कि भाजपा के संविधान में अभी रिटायरमेंट की उम्र जैसा कोई प्रावधान नहीं है। लेकिन भाजपा के संविधान में बदलाव पहले भी किया गया है। नितिन गडकरी 2010 से 2013 तक भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। जब उनका कार्यकाल खत्म हो रहा था तब उससे पहले सितंबर 2012 में ही पार्टी ने संविधान में संशोधन किया ताकि गडकरी लगातार दूसरे टर्म में भी अध्यक्ष बन सकें। इससे पहले यह नियम था कि कोई लगातार दो टर्म अध्यक्ष नहीं बन सकता। हालांकि भ्रष्टाचार के आरोपों की वजह से गडकरी ने पद स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। बदले हुए नियम के तहत ही अमित शाह 2014 से 2020 तक राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। इस साल भी फरवरी में पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन में पार्टी संविधान के कुछ प्रावधानों में संशोधन किया गया, जिसके मुताबिक पार्टी के फैसले लेने वाली सर्वोच्च इकाई संसदीय बोर्ड को आपात स्थिति में पार्टी अध्यक्ष से संबंधित फैसला लेने की शक्ति दी गई।

सवाल है कि रिटायरमेंट को लेकर संघ की क्या सोच है। संघ की तरफ से कोई निर्देश तो कभी नहीं दिए गए, लेकिन संघ से जुड़े लोगों के मुताबिक भारतीय जनसंघ के नेता रहे नानाजी देखमुख कहते थे कि राजनेताओं को जिंदगी भर सत्ता में रहने के बजाय एक उम्र के बाद सामाजिक जीवन में काम करना चाहिए और अपने लंबे अनुभव का लाभ सरकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने में देना चाहिए। नानाजी ने खुद इसकी मिसाल भी पेश की। नानाजी ने भारत सरकार में कैबिनेट पद स्वीकार करने से इनकार करके सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लिया और फिर 1978 में गोंडा ग्रामोदय प्रॉजेक्ट का उद्घाटन किया। नानाजी तब 62 साल के थे। दीनदयाल शोध संस्थान के तहत फिर कई जिलों में इस तरह के प्रॉजेक्ट शुरू हुए।

नानाजी ने राजनीति में बड़ा पद छोड़कर समाज में काम करने का उदाहरण पेश किया और इसीलिए दीनदयाल शोध संस्थान ने उन्हें राष्ट्र ऋषि कहा। केसी सुदर्शन जब सरसंघचालक थे तब भी कई बैठकों में इस पर बात हुई थी कि क्या 60 साल में सक्रिय राजनीति से संन्यास ले लिया जाना चाहिए। हालांकि इसको कोई नियम नहीं बल्कि नैतिक उपदेश माना गया।

अब कोई महात्मा गांधी नहीं हो सकता...!

ऋतुपर्ण दवे

लोग महात्मा हो सकते हैं, गांधी भी हो सकते हैं लेकिन महात्मा गांधी नहीं हो सकते। भारत के महात्मा गांधी एक थे, एक हैं और एक ही रहेंगे। आज बापू को हमसे छीने हुए भले ही 76 वर्ष हो गए हैं, लेकिन हमेशा ऐसा लगता है कि जैसे कल की ही बात हो। 30 जनवरी, 1948 को नाथूराम गोडसे ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तीन गोलियां मारकर हत्या जरूर कर दी लेकिन उनके विचारों और प्रेरणा की हत्या हो ही नहीं सकती। बापू को सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने के लिए याद किया जाता है। उनकी प्रेरणाएं- कि हम वर्तमान में क्या करते हैं; भीड़ में खड़ा होना आसान है लेकिन अकेले खड़े होने की हिम्मत होनी चाहिए; बिना विनम्रता की सेवा स्वार्थ और अहंकार है; पाप से घृणा करो, पापी से प्रेम करो; वह बदलाव बनो जैसा खुद बनना चाहते हो; इंसान के रूप में सबसे बड़ी क्षमता दुनिया को बदलने की नहीं, खुद को बदलने की हो; मानवता की महानता मनुष्य होने में नहीं, बल्कि मनुष्य दिखने में है; किसी को भी अपने गंदे पैरों से अपने दिमाग में नहीं चलने दें; कमजोर कभी माफ नहीं कर सकते जबकि क्षमा ताकतवर की विशेषता है। गांधी जी चेतना का चिंतन थे और चिंतक की चिंता। वे मानते थे कि जिस देश या समाज के पास चिंतन और चेतना नहीं, वह ज्ञान और सेवा का देश या समाज बन ही नहीं सकता। यही संयम उनकी साधना थी, तो नियम उनकी नैतिकता। दोनों उनके लोकाचार थे। सबको पता है कि अहिंसा और शांतिपूर्ण तरीकों के माध्यम से भारत के स्वतंत्रता संग्राम में सबसे प्रमुख भूमिका निभाने वाले महात्मा गांधी सदा प्रासंगिक थे, हैं और रहेंगे। काल के क्रूर हाथों के चलते वह असमय हमारे बीच से चले गए, लेकिन उनके विचार जस के तस तरोताजा हैं और सबके मन-मस्तिष्क में हैं। वह गांधीवादी विचार ही है, जिस पर चलकर लाखों युवाओं ने अपने जीवन का मार्ग और जीने का तरीका बदला है। निश्चित रूप से यह गांधी जी ही सोच सकते थे कि ऐसे जिएं जैसे कि कल ही मरना है। ऐसा सीखें, जिनसे आपको हमेशा जिन्दा रहना है। हाड़-मांस के इस पुतले की कैसी निराली सोच थी कि डर शरीर की बीमारी नहीं हो, क्योंकि यह आत्मा को मारता है, इसलिए निडर रहें। विश्वास पर उन्हें अटूट भरोसा था, तभी तो वह कहते थे कि विश्वास करना एक गुण है, वहीं अविश्वास दुर्बलता की जननी है। उनकी दार्शनिक सोच आज भी सभी के लिए अनुकरणीय है। उनका मानना रहा कि जो समय बचाते हैं, वे धन बचाते हैं और बचाया हुआ धन, कमाए हुए धन के बराबर होता है। कैसी गूढ़ सोच थी कि आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी। आज दुनिया युद्ध के मुहाने पर क्यों है? शायद इसी नासमझी के कारण, जो एक-दूसरे को आंख दिखा रहे हैं। बापू का आजादी को लेकर नजरिया अलग और बेहद खास था। वह मानते थे कि आजादी का कोई मतलब नहीं, यदि इसमें गलती करने की आजादी शामिल न हो। निश्चित रूप से इसके पीछे यही भावना थी कि असफलता ही सफलता की सीढ़ी है। प्रसन्नता को लेकर भी उनकी सोच बेहद अलग थी। इसकी तुलना वह इत्र से करते और मानते कि प्रसन्नता ही एकमात्र वह इत्र है, जिसे आप दूसरों पर छिड़कते हैं तो कुछ बूंदें आप पर भी पड़ती हैं। जीवन के प्रति उनका दृष्टिकोण बेहद अलग था। बापू मानते थे कि लोग पहले आप पर ध्यान नहीं देंगे, जब देंगे तब हंसेंगे, फिर आपसे लड़ेंगे और तब आप जीत जाएंगे। चरित्र को लेकर कितना अलग नजरिया था, कि व्यक्ति की पहचान कपड़े से नहीं, चरित्र से होती है। शायद चरित्र के महत्व का इससे अच्छा कोई उदाहरण हो ही नहीं सकता, जो एक लंगोटी में लिपटे व्यक्ति ने दुनिया को जीतने का तरीका बता दिया। निश्चित रूप से बापू का जीवन एक आदर्श और जीने की कला है, जो अजर, अमर और अमिट है। उनके आदर्शों को जीवन में उतारना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

अधिक सिंचाई से होने वाली हानियाँ- सिंचाई समय से करने पर लाभ होता है किंतु जरूरत से अधिक करने पर पौधों के आवश्यक पोषक तत्व भूमि में रिस कर निचली सतह पर चले जाते हैं जो पौधों को उपलब्ध नहीं होते। इसी कारण पौधे पीले पड़ने लगते हैं। ऐसा अधिकतर नहर वाले सिंचाई क्षेत्रों में देखने को मिला है. अधिक सिंचाई करने से मिट्टी में वायु संचार में कमी आ जाती है जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है।

रबी फसलों को पिलाएं संतुलित जल

किसानों की यह आमधारणा है कि जितनी अधिक सिंचाई की जायेगी, उतनी ही ज्यादा उपज मिलेगी, किंतु वास्तविकता यह नहीं है. पानी उतना ही लाभदायक है, जितना पौधों की जरूरत है. बाकी जल तो अधिक गहराई तक पौधों की जड़ों की पहुंच से दूर नीचे रिस जाता है और कुछ भाप बनकर उड़ जाता है। रबी की फसलों में सिंचाई का दो तिहाई पानी कच्ची नालियों से रिसकर अन्यथा बहकर नष्ट हो जाता है केवल एक तिहाई भाग पानी ही पौधों को प्राप्त होता है। अतः अगर सिंचाई समयानुसार की जाय तो न केवल सी मिल जल का अच्छा उपयोग होगा, बल्कि ज्यादा क्षेत्रमें भी किसान सिंचाई करके अपने खेत की औसत उपज बढ़ा सकते हैं।

अधिक सिंचाई से होने वाली हानियाँ- सिंचाई समय से करने पर लाभ होता है किंतु जरूरत से अधिक करने पर पौधों के आवश्यक पोषक तत्व भूमि में रिस कर निचली सतह पर चले जाते हैं जो पौधों को उपलब्ध नहीं होते। इसी कारण पौधे पीले पड़ने लगते हैं। ऐसा अधिकतर नहर वाले सिंचाई क्षेत्रों में देखने को मिला है. अधिक सिंचाई करने से मिट्टी में वायु संचार में कमी आ जाती है जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है।

- पौधे पीले पड़ने लगते हैं।
- पौधे की बढ़वार रुक जाती है
- भूमि में क्षार बढ़ने से ऊसर होने की संभावना है।
- अधिक नमी होने के कारण भूमि में पौधों की जड़ों का क्षेत्र घट जाता है जिससे पौधों को पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वन हीं मिल पाते हैं।

रबी फसलों में महत्वपूर्ण सिंचाई की अवस्थाएं

- **गेहूं** रबी फसलों में गेहूं को ही सबसे अधिक सिंचाई से फायदा होता है देशी उन्नत जातियाँ या गेहूं की ऊंची किस्मों की जल की आवश्यकता 25 से 30 से.मी. है। इन जातियों में जल उपयोग की दृष्टि से तीन अवस्थाएं होती हैं जो क्रमशः कल्ले निकलने की अवस्था (बुआई के 30 दिन बाद), पुष्पावस्था (बुआई के 50 से 55 दिन बाद) और दूधिया अवस्था बुआई के 95 दिन बाद)इन अवस्थाओं में सिंचाई करने से निश्चित उपज में वृद्धि होती है। प्रत्येक सिंचाई में 8 से.मी. जल देना आवश्यक है।

बौने गेहूं की किस्मों को प्रारंभिक अवस्था से ही पानी की अधिक आवश्यकता होती है- क्राउन रुट (शिखर या शीर्ष जड़ें) और शीर्ष जड़े और 'झखड़ा जड़ें' निकलते समय।

बुआई के 15-16 दिन तक पौधा बीज में सुरक्षित भोजन पर जीवित रहता है और अपनी खुराक लेता रहता है। लेकिन इसके बाद बीज का संचित भोजन समाप्त होने लगता है और तब वह धीरे-धीरे भूमि से खुराक खींचना शुरू कर देता है। ये जड़ें लगभग एक से.मी. की गहराई पर निकलती हैं। जिस समय ये जड़ें निकलती हैं, उस समय भूमि की सतह नम होनी चाहिए. ऐसे में बुआई के 20-21 दिन बाद खेत में हल्की सिंचाई करना अत्यंत आवश्यक होता है। किसानों को यह बात भली-भांति समझना चाहिए कि शिखर जड़ों से पौधों में कल्लों का विकास होता है, जिससे पौधों में बालियां ज्यादा आती हैं और फलस्वरूप उपज अधिक मिलती है। झखड़ा जड़ें पौधों को प्रारंभिक आधार देती हैं।

अतः बुआई के समय हर हालत में खेत में काफी नमी होनी चाहिए. बौनी गेहूं की किस्मों के खेत में पलेवा देकर खेत की तैयारी करने से अच्छा अंकुरण होता है। इन जातियों को 40 से 50 से.मी. जल की कुल आवश्यकता होती है और प्रति सिंचाई 6 से 7 से.मी. जल देना जरूरी है।

अगर दो सिंचाई की सुविधा है तो पहली सिंचाई बुआई के 20-21 दिन बाद प्रारंभिक जड़ें निकलने के समय करें दूसरी सिंचाई फूल आने के समय। यदि तीन सिंचाई करना संभव हो तो पहली सिंचाई बुआई के 20-21 दिन बाद (शिखर जड़ें निकलते समय), दूसरी पौधों में गाँठ बनते समय (बुआई के 60-65 दिन बाद) और तीसरी सिंचाई पौधों में फूल आने के बाद करनी चाहिए। जहां चार सिंचाईयों की सुविधा हो वहाँ पहली सिंचाई बुआई के 21 दिन बाद (शिखर जड़ें निकलते समय), दूसरी बुआई के 40-45 दिन बाद (पौधों में कल्ले निकलने के बाद) तीसरी बुआई के 60-65 दिन बाद (पौधों में गाँठ बनते समय) और चौथी सिंचाई फूल आते समय करें. चौथी और पाँचवी सिंचाई विशेष लाभप्रद सिद्ध नहीं होती है। इनको उसी समय करना चाहिए जब मिट्टी में पानी की संचय शक्ति कम हो। बलुई या बलुई दोमट मिट्टी में इस सिंचाई की जरूरत होती है। पांचवी सिंचाई उस समय करें जब दानों में दूध पड़ जाये। यदि वायुमंडल का तापमान तेजी से बढ़ रहा हो तो छठी सिंचाई हल्की करें। जब दाने में थोड़ी कठोरता नजर आती हो या दूधिया अवस्था बीत गयी हो तो इस सिंचाई को करना बहुत जरूरी नहीं है।

परीक्षणों से यही निष्कर्ष निकला है कि यदि 6 सिंचाईयां की जायें तो बौने गेहूं से अधिकतम उपज मिलती है। लेकिन यदि 6 सिंचाईयाँ संभव न हो तो उपयुक्त समय पर उक्त तीन सिंचाईयां तो अवश्य ही करनी चाहिए। पिछेती गेहूं में पहली 5 सिंचाईयां 15 दिनों के अंतर से करें। फिर बालें निकलने के बाद यह अन्तर 9-10 दिन का रखें। पिछेती गेहूं की दैहिक अवस्था पिछड़ जाती है और बालें निकलना और दानों का विकास तो ऐसे समय पर होता है जब वाष्पीकरण तेजी से होता है और ऐसी दशा में खेत में नमी की कमी का दानों के विकास पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है, फलस्वरूप दाना सिकुड़ जाता है। इसीलिए देर से बोये गए गेहूं में जल्दी सिंचाई कम दिनों के अंतर से जरूरी है।

रबी में लगाएं राई-सरसों

भूमि की तैयारी :(अ) बारानी क्षेत्र- वर्षा आधारित क्षेत्रों में वर्षा ऋतु से ही जुताई आरंभ करना चाहिए तथा मिट्टी को खरपतवार रहित कर भुरभुरी बनाकर पाटा लगाकर छोड़ देना चाहिए। उपयुक्त तापमान आने पर बुवाई करें।

(ब) **सिंचित क्षेत्र**- जब खरीफ फसल की कटाई हो जाये तब पलेवा देकर खेत की तैयारी करें तथा पाटा लगाकर खेत को समतल कर लें फिर बुवाई करें।

विकसित एवं अनुशंसित किस्में

पूसा बोल्ड- बड़े दाने वाली इस जाति का 1000 दानों का वजन 7 ग्राम है तथा यह 110-140 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 42 प्रतिशत तथा उपज 18 क्विंटल/हे.है।

रोहिणी- इसकी फलियां टहनियों से चिपकी रहती हैं तथा यह 125-130 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 43 प्रतिशत तथा 1000 दानों का वजन 5.2 ग्राम है उपज 22-28 क्विं./हे. है।

वरूणा- यह सम्पूर्ण भारत वर्ष के लिये अनुमोदित है यह 135-140 दिन में पककर तैयार होती है। दानों का वजन 6 ग्राम तथा उपज 20-22 क्विं./हे. है तथा तेल की मात्रा 43 प्रतिशत है।

जवाहर सरसों-1 :- यह जाति 125-127 दिन में पककर तैयार होती है इसके 1000 दानों का वजन 5 ग्राम है तथा तेल की मात्रा 42 प्रतिशत तथा उपज 20-21 क्विं./हे.है। यह सफेद किट्ट नामक रोग के प्रतिरोधिता वाली किस्म है।

वसुन्धरा- यह किस्म 130-140 दिनों में पककर तैयार हो जाती है तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तथा उपज 20-21 क्विं./हे.है।

जवाहर सरसों-2 :- यह किस्म 135-138 दिन में तैयार होती है, तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तथा दानों का वजन 5 ग्राम तथा उपज 15 से 30 क्विं./हे.है।

जवाहर सरसों-3 :- यह 130-132 दिनों में पककर तैयार होती है तथा इसकी फली चटकती नहीं है तेल 40 प्रतिशत तथा उपज 15 से 25 क्विं./हे.है।

जगन्नाथ- यह किस्म 125-130 दिन में पककर तैयार होती है तथा उपज 18 क्विं.प्रति होगा तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तक होती है।

जवाहर सरसों-4- यह किस्म असिंचित अवस्था के लिये उपयुक्त है। यह 125-135 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 43 प्रतिशत तथा दानों का वजन 5-6 ग्राम तक है।

माया- यह किस्म 125-135 दिन में पककर तैयार होती है तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत एवं उपज 25-29 क्विं./हे.है।

बीजोपचार :- भरपूर पैदावार हेतु फसल को बीमारियों से बचाने हेतु बीजोपचार आवश्यक है, बीजोपचार 6 ग्राम एप्रान एस.डी.35 नामक दवा से प्रति किलो बीज दर से करें या 3 ग्राम कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम थीरम नामक दवा द्वारा प्रतिकिलो बीज के हिसाब से करके फसल बोएं।

बुवाई का समय: बुवाई असिंचित क्षेत्रों में 20 सितंबर से 15 अक्टूबर तक, 5-6 किलोग्राम बीज दर के हिसाब से बोएं तथा सिंचित क्षेत्रों में 15 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक 5 किलोग्राम बीज दर/हे. के हिसाब से करें। बुवाई देशी हल या सीड ड्रिल से कतारों में करें। पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30 से.मी. एवं बीज से बीज की दूरी 10 से.मी. रखें। गहराई 2-3 से.मी. रखें अधिक गहरा बीज बोने पर अंकुरण पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

खाद एवं उर्वरक की मात्रा : भरपूर पैदावार के लिये हरी खाद, गोबर की खाद या कम्पोस्ट खाद का प्रयोग करना चाहिए. सिंचित क्षेत्र के लिये 100 क्विं. पकी हुई गोबर खाद बुवाई पूर्व खेत में डालकर जुताई कर खेत में मिला लें। बारानी क्षेत्र में देशी खाद या कम्पोस्ट खाद 40-50 क्विं./हे. बुवाई पूर्ण खेत में डालकर अच्छी तरह मिला लें इसके बाद रसायनिक उर्वरकों को खेत में मिलाएं। सिंचित क्षेत्र के लिये 217 किलोग्राम यूरिया, 313 कि.ग्राम, सिंगल सुपर फास्फेट, 40 किलोग्राम, म्यूरेट ऑफ पोटाश एवं 30 किलोग्राम गंधक देने से सरसों की भरपूर पैदावार होती है। जबकि असिंचित क्षेत्र के लिये 40 किलोग्राम यूरिया, 20 किलोग्राम, सिंगल सुपर फास्फेट, 10 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश एवं 15 किलोग्राम गंधक देने पर अच्छी पैदावार ली जा सकती है।

रोगमुक्त होगी चना फसल

चना रबी मौसम की प्रमुख दलहनी फसल है। चने में लगने वाली इल्ली व उकठा रोग का प्रकोप इसकी उत्पादकता में प्रमुख बाधा है साथ ही कुछ क्षेत्रों में परम्परागत पुरानी किस्मों का उपयोग भी कम उत्पादकता का कारण है।

खेत की तैयारी:- खरीफ मौसम के खाली पड़े खेतों में सितम्बर में या अक्टूबर के प्रारंभ में बार-बार जुताई करें ताकि बारिश की नमी का संरक्षण हो सके। खेत से कचड़ा आदि एकत्र कर नष्ट कर देना चाहिए व पाटा लगाकर बुवाई का कार्य करें। अथवा पलेवा लगाकर बोनी करें।

उर्वरकों का उपयोग- दलहनी फसल होने के कारण चने को 743 कि.ग्रा. यूरिया व 373 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट की आवश्यकता सिंचित अवस्था में होती है एवं असिंचित अवस्था में 20 कि.ग्रा. यूरिया व 187 कि.ग्रा.फास्फेट, अंतिम जुताई से पूर्व एक कि.ग्रा. पी.एस.बी. कल्चर को 50 कि.ग्रा. गोबर की खाद में मिलाकर खेत में भुरकाव करने से अच्छे परिणाम मिलते हैं।

उन्नतशील प्रजातियाँ- बीज, फसल उत्पादन का महत्वपूर्ण आदान हैं। अत: बुवाई पूर्व स्वस्थ, सुडौल, रोग रहित प्रजातियों का बीज एकत्र कर रख लेना चाहिए।

बीज दर एवं बीजोपचार :- देशी चने का 75 कि.ग्रा. जबकि बड़े आकार के काबुली चने की 125 कि.ग्रा. मात्रा प्रति हे. के मान से उपयोग करना चाहिए ताकि एक वर्गमीटर क्षेत्र में 25-30 पौधे हों। बुवाई के समय लाइन से लाइन की दूरी 30 से.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 से.मी. होना चाहिए. बोनी से पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम अथवा कार्बोक्सिन की 2 ग्राम मात्रा द्वारा प्रति कि.ग्रा. की दर से उपचारित करें. तत्पश्चात् राइजोबियम व पी.एस.बी. कल्चर से बीज का निवेशन करें इस हेतु 250 ग्राम गुड़ के घोल में कल्चर मिलाकर फिर बीज को उपचारित करें।

अन्य शस्य क्रियाएं:- बुवाई के 25-30 दिन बाद निंदाई कर घास निकालें. ताकि नमी का ह्रास न हो। इसी समय चने की खुटाई करना चाहिए ताकि अधिक से अधिक शाखायें निकल सकें।

बुवाई से पूर्व खेत में भलीभांति तय कर लें कि पर्याप्त नमी है तभी बुवाई करें। चने की फसल में 45-60 दिन के भीतर सिंचाई करें। ध्यान रहे कि फूल आते समय सिंचाई न करें। हल्की भूमि में नमी की कमी होने पर फली लगते समय भी सिंचाई की जानी चाहिए।

कटाई, गहाई व उपज:- परिपक्व अवस्था में आने पर फलियाँ सूखकर पीली पड़ती हैं एवं पत्तियाँ झड़ने लगती हैं। इस समय कटाई करना चाहिए। फसल की कटाई कर 2-3 दिन तक खेत में पड़ा रहने दें तत्पश्चात् गहाई करें। इस प्रकार 15-20 क्विं. किस्मों के अनुसार उत्पादन मिलता है। दानों को भलीभांति सुखाकर 8-10 प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रमुख समाचार

राहुल गांधी के नाच-गाने वाले बयान पर योगी का पलटवार

चंडीगढ़। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा के भिवानी जिले में भाजपा के लिए प्रचार करते हुए गांधी-नेहरू परिवार की तीन पीढ़ियों पर हमला किया। इस साल की शुरुआत में 22 जनवरी को अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के उद्घाटन का जिक्र करते हुए, आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि दुर्भाग्यपूर्ण कांग्रेसी इससे नफरत करते हैं। उन्होंने कहा कि 500 साल के इंतजार के बाद पूरा देश और दुनिया अभिभूत और खुश है। लेकिन इन बदनसीब कांग्रेसियों को इससे नफरत है। योगी ने आगे कहा कि कहा कि एक तरफ वे लोग हैं जो भगवान राम की संस्कृति में पले-बढ़े हैं... और दूसरी तरफ वे लोग हैं जो रोमन संस्कृति में पले-बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि वे बदनसीब जो दुर्भाग्य से खुद को 'एक्सीडेंटल हिंदू' कहते हैं, वे इसे कैसे बर्दाश्त करेंगे? उन्होंने कहा, वे कहते हैं कि अयोध्या में जब राम लला के मंदिर का उदघाटन हो रहा था तब वहां नाच गाना चल रहा था। अरे जिंदगी भर तुम्हारा परिवार यही करता रहा है।

नासिक की कोर्ट ने राहुल को किया तलब

मुंबई। महाराष्ट्र के नासिक जिले की एक अदालत ने राहुल गांधी को तलब किया है। राहुल को हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए उनके खिलाफ दायर मानहानि के मामले में तलब किया गया है। नासिक की अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दीपाली परिमल कडुस्कर ने 27 सितंबर को पेश होने के लिए राहुल को समन (नोटिस) जारी किया है। नोटिस में कहा गया कि एक देशभक्त व्यक्ति के खिलाफ दिया गया बयान प्रथम दृष्टया मानहानिकारक लगता है। मामले की अगली तारीख पर राहुल गांधी को व्यक्तिगत रूप से या अपने कानूनी प्रतिनिधि के माध्यम से पेश होना होगा। इस पर अभी फैसला होना बाकी है। मामले में शिकायतकर्ता एक एनजीओ के निदेशक हैं। उनका दावा है कि उन्होंने हिंगोली में राहुल की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस और नवंबर 2022 में कांग्रेस नेता का भाषण भी देखा। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल ने दोनों मौकों पर वीर सावरकर की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया और समाज में उनकी छवि को बदनाम करने की भी कोशिश की।

अगले चुनाव में नीतीश कुमार की होगी हार : प्रशांत किशोर

पटना। अपनी जन सुराज पार्टी के लॉन्च से पहले राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर लगातार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमलावर हैं। इतना ही नहीं, प्रशांत किशोर अगले चुनाव में नीतीश कुमार की विदाई का भी दावा कर रहे हैं। प्रशांत किशोर ने साफ तौर पर कहा है कि नीतीश कुमार अगले विधानसभा चुनाव में तीन कारणों से कुर्सी से बेदखल हो जाएंगे। इसके लिए वह तीन कारण भी बता रहे हैं। प्रशांत का दावा है कि अगर नीतीश कुमार की अगले चुनाव में हार होती है तो इसमें शराबबंदी नीति की विफलता, अनियोजित और भ्रष्टाचार से ग्रस्त भूमि सर्वेक्षण और राज्य भर में प्रीपेड स्मार्ट मीटर की जबरन स्थापना बड़े जिम्मेदार होंगे। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, किशोर ने मुट्ठी भर सेवानिवृत्त नौकरशाहों के माध्यम से अपनी सरकार चलाने के साथ बिहार के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले सीएम का दावा किया।

दुष्यंत चौटाला के काफिले पर हमला, गाड़ी में तोड़फोड़

चंडीगढ़। जननायक जनता पार्टी के प्रमुख और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के काफिले पर सोमवार देर रात उचाना में हमला किया गया। चौटाला एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे इसी दौरान उपद्रवियों ने हंगामा किया और काफिले पर हमला कर दिया। जानकारी के मुताबिक, कुछ अज्ञात लोगों ने काफिले की गाड़ी को पत्थरों से निशाना बनाया और एक गाड़ी तोड़ दी। हमले के तुरंत बाद भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और घटना का जायजा लिया। सोमवार को चौटाला जींद के उचाना में थे जहां से वह विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। उनके साथ उनके गठबंधन सहयोगी आज़ाद समाज पार्टी के प्रमुख और सांसद चन्द्रशेखर आज़ाद भी थे। दोनों नेताओं ने उचाना में मेगा रोड शो किया। इस हमले से हरियाणा की राजनीति को तंज कर दिया है। मामला हाई-प्रोफाइल होने के कारण पुलिस हाई अलर्ट पर है और घटना की जांच कर रही है।

महाराष्ट्र सीएम एकनाथ शिंदे ने पूछा गोविंदा का हाल

मुंबई। अभिनेता गोविंदा को मंगलवार सुबह दुर्घटना में अपने ही हाथ से पैर पर गोली लग गई। इसके बाद उन्हें मुंबई के क्रिटिकल केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गोविंदा की हालत अब स्थिर है, इस बात की जानकारी खुद अभिनेता ने बयान जारी कर दी है। अपने प्रशंसकों को गोविंदा ने बताया कि डॉक्टरों ने गोली निकाल दी है। अपने प्रशंसकों के के स्नेह और भगवान के आशीर्वाद से ठीक हैं। अब सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस बीच महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने गोविंदा के साथ फोन पर बात की है। सीएम एकनाथ शिंदे ने गोविंदा से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने अस्पताल में गोविंदा की सही देखभाल करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा कश्मीरा शाह, विनय आनंद और दीपक सावंत भी गोविंदा से मिलने पहुंचे हैं।

जमैका के किसी प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा

भारत विश्वसनीय और प्रतिबद्ध भागीदार : प्रधानमंत्री मोदी

नईदिल्ली। जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में भारत और जमैका के बीच समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं जमैका के प्रधानमंत्री होलनेस और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करता हूं... प्रधानमंत्री होलनेस भारत के लंबे समय से मित्र रहे हैं। मुझे उनसे कई बार मिलने का अवसर मिला है और हर बार मैंने भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए उनकी प्रतिबद्धता को महसूस किया है। मुझे विश्वास है कि उनकी यात्रा हमारे द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ पूरे कैरेबियाई क्षेत्र के साथ हमारे जुड़ाव को नई ऊर्जा देगी।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और जमैका के संबंध हमारे साझा इतिहास, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और लोगों के बीच मजबूत संबंधों पर आधारित हैं। चार सी हमारे संबंधों की विशेषता हैं, संस्कृति, क्रिकेट, राष्ट्रमंडल और कैरीकॉम (कैरेबियन समुदाय)। भारत और जमैका के बीच व्यापार और निवेश बढ़ रहा है। भारत हमेशा जमैका की विकास यात्रा में एक विश्वसनीय और प्रतिबद्ध विकास भागीदार रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और जमैका एकमत हैं कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित सभी वैश्विक संस्थानों में सुधार आवश्यक है। इन्हें समकालीन रूप देने के लिए हम साथ मिलकर काम करते रहेंगे। भारत और जमैका के संबंध हमारे साझा इतिहास, हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों और लोगों से लोगों के बीच मजबूत संबंधों का प्रमाण हैं। हमारा संबंध 4सी संस्कृति, क्रिकेट, राष्ट्रमंडल, कैरिकॉम द्वारा चिह्नित है।

पीएम ने कहा कि रक्षा के क्षेत्र में भारत जमैका सेना के साथ प्रशिक्षण लेगा। संगठित अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवाद कुछ चुनौतियाँ हैं जो हमारे सामने हैं और हम इनके खिलाफ मिलकर काम करने को

तैयार हैं। मैं जमैका में भारतीय प्रवासियों का ख्याल रखने के लिए पीएम होल्नेस को धन्यवाद देता हूं। जमैका ने जिस तरह से बॉलीवुड और लोक संगीत के माध्यम से भारतीय संस्कृति को स्वीकार किया है और उसकी सराहना की है, मैं उसकी सराहना करता हूं। आज का सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम हमारे व्यक्तिगत संबंधों को भी बढ़ाएगा।

उन्होंने कहा कि हम डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, जैव ईंधन, नवाचार, स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि के क्षेत्रों में जमैका के साथ अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार हैं। रक्षा क्षेत्र में हम जमैका के सशस्त्र बलों को प्रशिक्षण देने और उनकी क्षमता निर्माण पर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि भारत-जमैका संबंध साझा इतिहास, लोकतांत्रिक मूल्यों और लोगों के बीच मजबूत संबंधों पर आधारित हैं।

वहीं, आज प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात से पहले होलनेस ने राजघाट पर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। इसकी जानकारी विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच पर दी। तस्वीर साझा करते हुए कहा, राष्ट्रपिता का सम्मान किया गया। जमैका के प्रधानमंत्री ने आज राजघाट पर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की।

सोनम वांगचुक की हिरासत को राहुल ने बताया अस्वीकार्य

कहा- प्रधानमंत्री मोदी को लद्दाख की आवाज सुननी होगी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और अन्य लद्दाखियों की हिरासत को अस्वीकार्य बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लद्दाख की आवाज सुननी होगी। वांगचुक ने लद्दाख के लगभग 120 लोगों के साथ मिलकर केंद्र शासित प्रदेश के लिए छठी अनुसूची का दर्जा देने की मांग करते हुए राजधानी दिल्ली तक मार्च किया था। दिल्ली पुलिस ने उन्हें राजधानी की सीमा पर हिरासत में ले लिया है। राहुल गांधी ने सवाल करते हुए कहा कि लद्दाख के भविष्य के लिए आवाज उठाने वाले बुजुर्ग नागरिकों को दिल्ली की सीमा पर पुलिस ने हिरासत में क्यों लिया।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा, पर्यावरण और संवैधानिक अधिकार की मांग के लिए शांतिपूर्ण तरीके से मार्च कर रहे सोनम वांगचुक और सैकड़ों लद्दाखियों की हिरासत अस्वीकार्य है। उन्होंने आगे कहा, मोदी जी किसानों

की तरह यह चक्रव्यूह भी टूटेगा। आपको लद्दाख की आवाज सुननी होगी।

हिरासत में जाने से पहले वांगचुक ने इंस्टाग्राम पर दिल्ली सीमा से तस्वीरें साझा किए। उनकी बसों को रोक दिया गया और भारी संख्या में वहां पुलिस बल तैनात थे। अपने पोस्ट में वांगचुक ने बताया कि दिल्ली पुलिस और उसके हरियाणा समकक्ष के कई वाहन उनकी बसों के साथ थे। उन्हें शुरू में ऐसा लगा कि राजधानी के करीब पहुंचने पर उन्हें सुरक्षा दी जा रही है, लेकिन बाद में यह स्पष्ट हो गया कि उन्हें हिरासत में लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली सीमा पर करीब एक हजार पुलिसकर्मी तैनात थे। उन्हें बताया गया कि दिल्ली के लद्दाख भवन में भी भारी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।

वांगचुक ने कहा, ऐसा लगता है कि वे इस पदयात्रा को नहीं होने देना चाहते हैं। इस पदयात्रा को लेह एपेक्स बॉडी ने कारगिर डेमोक्रेटिक अलायंस के साथ मिलकर आयोजित किया था। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को कानून और व्यवस्था के मुद्दों का हवाला देते हुए अगले छह दिनों के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में बैनर, तख्तियां और हथियार लेकर पांच या अधिक व्यक्तियों के इकट्ठा होने और विरोध प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगा दिया है।

बवाना थाने पहुंचीं मुख्यमंत्री आतिशी को सोनम वांगचुक से मिलने से रोका

लद्दाख को छठी अनुसूची का दर्जा देने की मांग को लेकर राष्ट्रीय राजधानी तक मार्च करने वाले जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक सहित लद्दाख के करीब 120 लोगों को दिल्ली पुलिस ने शहर की सीमा पर हिरासत में लिया। अब इसको लेकर राजनीति तेज हो गई है। दिल्ली की सीएम आतिशी एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक से मिलने बवाना पुलिस स्टेशन पहुंचीं। उन्होंने कहा कि लद्दाख के लोग राज्य का दर्जा चाहते हैं। बापू की समाधि के दर्शन करने जा रहे सोनम वांगचुक और लद्दाख के लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने मुझे सोनम वांगचुक से मिलने नहीं दिया। यह बीजेपी की तानाशाही है। हम सोनम का पूरा समर्थन करते हैं।

आतिशी ने कहा कि लद्दाख में एलजी शासन खत्म होना चाहिए और उसी तरह दिल्ली में भी एलजी शासन खत्म होना चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि इन पुलिस अधिकारियों को एलजी साहब का फोन आया होगा कि चुनी हुई सरकार के प्रतिनिधि, दिल्ली के सीएम को ऐसा करना चाहिए। सोनम वांगचुक से मिलने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। लद्दाख को भी पूर्ण राज्य का दर्जा मिलना चाहिए। आज भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार लोकतंत्र की हत्या करने में कोई कसर नहीं छोड़ती है। क्योंकि भारतीय जनता पार्टी लोकतंत्र से डरती है और आज मैं विश्वास के साथ कह रहा हूं कि अगर भारतीय जनता पार्टी कायम रहेगी, तो लद्दाख में खत्म हो जाएगी, दिल्ली में एलजी शासन खत्म हो जाएगा और यहां केंद्र सरकार में भी भारतीय जनता पार्टी का शासन खत्म हो जाएगा।

दिल्ली में धारा 163 लगाए जाने पर भड़की आप सरकार

नईदिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को नवरात्रि उत्सव के दौरान दिल्ली पुलिस के निषेधाज्ञा आदेश की आलोचना की। सौरभ भारद्वाज ने इसे तुगलकी फरमान करार दिया और इसे तत्काल वापस लेने का आह्वान किया। सोमवार को जारी आदेश में सार्वजनिक व्यवस्था पर चिंताओं का हवाला देते हुए, छह दिनों के लिए दिल्ली के प्रमुख क्षेत्रों में पांच या अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर प्रतिबंध लगाता है। यह निर्देश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 (सीआरपीसी की पिछली धारा 144 की जगह) के अंतर्गत आता है। इसी आदेश को लेकर आम आदमी पार्टी उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर हमलावर है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली के लोगों को त्यौहार मनाने से रोकने के लिए एलजी ने तुगलकी आदेश दिया है। पूरी दिल्ली में एक मैसेज तेज़ी से फैल रहा है कि एलजी की दिल्ली पुलिस ने 5 लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगा दी है। पूरी दिल्ली में दुर्गा पूजा की जाती है, राम लीला होती है, भंडारे लगाये जाते हैं। क्या एलजी हिंदुओं को उनके त्यौहार मनाने से रोकना चाहते हैं? मैं, एलजी को कहना चाहता हूँ कि ऐसा होने वाला नहीं है। दिल्ली सरकार के मंत्री ने कहा कि एलजी साहब भाजपा और कांग्रेस के नेताओं से छुप-छुपकर मिल रहे हैं।

खेल प्रमुख समाचार

भारत ने बांग्लादेश को कानपुर टेस्ट में 7 विकेट से दी मात

कानपुर। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला गया भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा टेस्ट मैच भारतीय टीम ने 7 विकेट से अपने नाम किया। इसके साथ ही रोहित ब्रिगेड ने दो मैचों की सीरीज को 2-0 से अपने नाम किया है। कानपुर टेस्ट की जीत किसी करिश्माई जीत से कम नहीं थी, क्योंकि मैच के दो दिन का खेल बारिश के कारण बाधित रहा था और पहले दिन महज 35 ओवर का ही खेल हुआ था।

अंतिम दिन के खेल में बांग्लादेशी टीम 26/2 के स्कोर से आगे खेलने के लिए मैदान पर उतरी लेकिन भारतीय गेंदबाजों के आगे टिक नहीं पाई। भारतीय टीम को अश्विन ने आज की पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बांग्लादेश ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए।

बांग्लादेश के लिए शदमान इस्लाम ने सबसे ज्यादा 50 रनों की पारी खेली। उनके अलावा मुशफिकुर रहीम के बल्ले से भी 37 रनों की पारी देखने को मिली। दूसरी पारी में बांग्लादेश की पूरी टीम महज 146 रन बनाकर आउट हो गई। भारत के लिए बुमराह और जडेजा को 3-3 विकेट मिले। टीम इंडिया को 95 रनों का लक्ष्य मिला।

जवाब में खेलते हुए भारत की खराब शुरुआत रही। टीम इंडिया के ओपनर बल्लेबाज रोहित सस्ते में आउट हो गए। वह 8 रनों के निजी स्कोर पर आउट हो गए। उनके बाद शुभमन गिल का बल्ला भी खामोश रहा। वह भी 6 रन के निजी स्कोर पर आउट होकर चलते बने।

यहाँ से जायसवाल और कोहली ने मिलकर एक तेज अर्धशतकीय भागीदारी के जायसवाल जीत के करीब आने के बाद आउट हो गए। वह फिफ्टी जड़कर 51 के निजी स्कोर पर आउट हुए। कोहली ने नाबाद 29 और पंत ने नाबाद 4 रन बनाए। भारत ने 3 विकेट पर 98 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान प्रमुख समाचार

लगातार तीसरे दिन लाल निशान में बंद हुए शेयर बाजार

नईदिल्ली। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन और लगातार तीसरे सेशन में आज शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। बीएसई, एनएसई के बेंचमार्क इंडेक्स करीब-करीब सपाट पर बंद हुए। कारोबार के दौरान शेयर बाजार का रुख उतार-चढ़ाव भरा रहा और अंत में एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स 0.04% या 33.49 अंक गिरकर 84,266.29 के लेवल पर तो वहीं, निफ्टी-50 भी 0.05% या 13.95 अंक लुढ़ककर 25,796.90 के लेवल पर बंद हुआ। शेयर बाजार में आज आईटी और स्मॉलकैप स्टॉक्स ने दम भरा। जिसके चलते भारी गिरावट का सामना मार्केट को नहीं करना पड़ा। व्यापक सूचकांकों की बात की जाए तो निफ्टी स्मॉलकैप 100 आज 0.79% और निफ्टी मिडकैप 100 0.34% की बढ़त बनाने में सफल रहे। एनएसई के डेटा को देखा जाए तो निफ्टी50 पर आज सिर्फ दो ऐसे स्टॉक्स रहे, जो 1% से ज्यादा की बढ़त बना सके।

कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ीं

नईदिल्ली। तेल कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडरों की कीमतों में बदलाव कर दिया है। यह बदलाव लोगों की जेब पर बोझ बढ़ाने वाला है। दरअसल, 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 48.50 रुपये की वृद्धि की गई है। वहीं, पांच किलो के फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में 12 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। बढ़ी हुई कीमतें एक अक्तूबर से लागू हो गई हैं। जुलाई के महीने में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में बदलाव किया गया था। 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में एक जुलाई से 30 रुपये की कटौती की गई थी। तेल कंपनियों ने इससे पहले अप्रैल में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती की थी। एक मार्च को तेल कंपनियों ने 19 किलो कमर्शियल सिलेंडर की कीमतें 25 रुपये बढ़ा दी गई थी।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की रफ्तार हुई सुस्त

नईदिल्ली। देश के मैन्युफेक्चरिंग सेक्टर की वृद्धि दर सितंबर में आठ महीने के निचले स्तर पर आ गई। मैनुफेक्चरिंग सेक्टर की वृद्धि में सुस्ती का कारण फैक्ट्री उत्पादन और बिक्री में नरम विस्तार था, जो वर्ष की शुरुआत के बाद से सितंबर में सबसे कमजोर स्तर पर रहा। मंगलवार को जारी एक मासिक सर्वे में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित 'एचएसबीसी इंडिया मैन्युफेक्चरिंग पर्चेसिंग मैनेजर इंडेक्स' सितम्बर में 56.5 रहा, जो अगस्त में 57.5 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर इंडेक्स होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है। सर्वेक्षण के अनुसार, कारोबारी आत्मविश्वास मोटे तौर पर इसके लॉन्ग टर्म एवरेज के अनुरूप रहा। कीमतों के मोर्चे पर, वस्तु उत्पादकों को सितम्बर के दौरान इनपुट लागत और बिक्री शुल्क में मध्यम वृद्धि हुई है।

बजाज ऑटो ने सितंबर में बेचें 4.69 लाख वाहन

नईदिल्ली। बजाज ऑटो की वाहन बिक्री सितंबर में 20 प्रतिशत बढ़कर 4,69,531 इकाई हो गई, जो पिछले साल इसी महीने 3,92,558 इकाई रही थी। कंपनी ने बयान में कहा, समीक्षाधीन महीने में घरेलू बिक्री सितंबर 2023 में बेची गई 2,53,193 इकाइयों से 23 प्रतिशत बढ़कर 3,11,887 वाहन हो गई। निर्यात सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 1,57,644 इकाई हो गया। इसके अलावा समीक्षाधीन महीने में दोपहिया वाहनों की बिक्री 4,00,489 इकाई रही, जो पिछले वर्ष इसी माह में बेची गई 3,27,712 इकाई से 22 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने कहा, इसमें से घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री 2,59,333 इकाई रही, जो पिछले साल इसी महीने में 2,02,510 इकाइयों से 28 प्रतिशत अधिक है। निर्यात सालाना आधार पर 13 प्रतिशत अधिक 1,41,156 इकाई रहा, जबकि सितंबर 2023 में 1,25,202 इकाई था।

क्या ई-कॉमर्स किराना कारोबार को कुचल देगा?

अंबी परमेश्वरन

ई -कॉमर्स का एक छोर पूरी तरह से इलैक्ट्रॉनिक माध्यमों से की जाने वाली सेवाओं की बिक्री है, जिसमें आपके मोबाइल फोन पर बस कुछ ही क्लिक होते हैं। आप अपने स्मार्टफोन के जरिए बीमा पॉलिसी खरीद सकते हैं और उसका पूरा भुगतान कर सकते हैं। यही बात एयरलाइन टिकट, मूवी टिकट या होटल के कमरों के लिए भी कही जा सकती है। फिर ई-कॉमर्स का इस्तेमाल ऐसे ब्रांड करते हैं जो उत्पाद बेचते हैं। उदाहरण के लिए, ओला ई-बाइक पूरी तरह से ऑनलाइन बेची जाती है। आप ऑर्डर देते हैं और बाइक आपके घर पर डिलीवर हो जाती है (ओला अब अपने खुद के उपभोक्ता संपर्क केंद्र भी स्थापित कर रही है)। और फिर ऐसे उत्पाद हैं, जो ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से बेचे जाते हैं और यहां भी कई तरह के बदलाव हैं। नाइकी जैसे ब्रांड अपने स्टोर के साथ-साथ अपनी वैबसाइट और अन्य ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से भी जूते बेचते हैं।

छोटे ब्रांड भी ई-कॉमर्स माध्यम से पूरे देश में बिक्री करने में सक्षम हैं। उनके पास नाइकी जैसा ब्रांड आकर्षण नहीं है और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म की मदद के बिना बहुत से लोग उनके उत्पादों को नहीं देख पाते। ये प्लेटफॉर्म छोटे निर्माताओं को दुनिया की एक झलक प्रदान करते हैं। मेरे कई परिचित लोग स्पष्ट रूप से कहते हैं कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म एक बड़ा वरदान है। यहां तक कि जब मैंने उनसे ग्राहक डाटा के नुकसान के बारे में पूछा (चूंकि प्लेटफॉर्म के पास डेटा है), तो एक व्यक्ति ने यहां तक कहा कि बड़े ब्रांड इस दृष्टिकोण को सांझा नहीं करते। लेकिन कुर्ती या अगरबत्ती बनाने वाली एक छोटी कंपनी ग्राहक डाटा के नुकसान के बारे में कम

चिंतित है। फिर किराना व्यापारी आता है, जो कई खतरों का सामना कर रहा है। दो दशक पहले, ये आधुनिक व्यापार आऊटलैट थे। भारतीय किराना अस्तित्व के मामले में माहिर है। उन्होंने डिजिटल तकनीक, यू.पी.आई. भुगतान इंटरफेस, त्वरित डिलीवरी और बहुत कुछ अपनाया है।

जैसा कि एक विशेषज्ञ ने मुझे बताया, स्थानीय किराना अपनी स्थानीय सुविधा के कारण दुर्जेय आधुनिक व्यापार से बच गया। किराना तक चलकर जाना और अपनी जरूरत की चीजें खरीदना आसान था, जबकि कष्ट करके सुपरमार्केट तक जाने के लिए पर्याप्त धन खर्च करना, दी जाने वाली छूट को उचित नहीं ठहराता। अमरीकी खरीदारों के विपरीत, जो कॉस्टको/वॉलमार्ट से हर महीने छूट वाली किराने की वस्तुएं खरीदते हैं और उन्हें अपने बड़े घरों/गैरेजों में रखते हैं, शहरी भारतीयों के घर छोटे होते हैं।

फिर लगभग 10 साल पहले, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और मार्केटप्लेस आए। उन्होंने बहुत ज्यादा छूट दी, लेकिन उनकी सीमाएं थीं। आपको यह सुनिश्चित करने की जरूरत थी कि डिलीवरी कब होगी। और अगर आप अगली बिल्डिंग में किसी दोस्त से बात कर रहे थे, जैसा कि ज्यादातर भारतीय करते हैं, तो आप डिलीवरी से चूक जाएंगे। इस आखिरी मील या आखिरी मिनट की समस्या को क्विक कॉमर्स (क्यू-कॉम) व्यापारियों ने हल कर दिया है। वे सीमित रेंज में सामान देते हैं। छूट कॉस्टको के स्तर पर नहीं है, लेकिन वे 10 या 15 मिनट के भीतर डिलीवरी का वादा करते हैं। यह मॉडल घनी आबादी वाले शहरों के लिए एक विजयी प्रस्ताव है। जबकि सभी क्यू-कॉम व्यापारी अभी भी पैसे खो रहे हैं, लेकिन वे प्रभाव डालते दिख रहे हैं। जैसा कि इस क्षेत्र के एक विशेषज्ञ ने बताया, किराना व्यापारी स्वाभाविक रूप से अक्षम हैं। वे जीवित रहते हैं क्योंकि वे अक्सर अचल संपत्ति के मालिक होते हैं (या पुरानी दरों पर किराया देते हैं) और परिवार दुकान चलाता है, इसलिए कोई या न्यूनतम वेतन लागत नहीं होती। यह उन्हें अक्षमताओं के बावजूद कम मार्जिन के साथ काम करने की अनुमति देता है। अपने स्थानीय किराना से लिक्विड डिटर्जेंट का एक बड़ा पैक खरीदने की कोशिश करें और आपको इस तरह के बहाने सुनने को मिल सकते हैं, "कंपनी का आदमी अभी तक नहीं आया।" या "आखिरी पैकेट कल ही बिक गया था।"

बुजुर्गों के दुख-दर्द को समझें और उन्हें उनकी सेवा का भरोसा दिलाएः साय

सियानजनों की सेवा से मिलता है पुण्य और आशीर्वादः साय

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर आज सूरजपुर जिला मुख्यालय में सियान सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जिले के वृद्धजनों का शॉल, श्रीफ़ल से अभिनंदन कर शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज वृद्धजनों के सम्मान का दिन है। उन्होंने कहा कि मैं सभी वृद्धजनों को प्रणाम करता हूँ और आप सभी से आग्रह करता हूँ कि आप वृद्धजनों की सेवा और सम्मान करें,उनके दु:ख दर्द को समझे और उन्हें अपने सेवाभाव से भरोसा दिलाए कि आप उनके साथ हैं। माता-पिता और वृद्धजनों की सेवा से आपको पुण्य और आशीर्वाद मिलेगा, खुशी मिलेगी और उनके आशीर्वाद से आप अपने मुकाम तक पहुँच पाएंगे।

मुख्यमंत्री साय ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार सभी वर्ग के लिए योजनाएं संचालित कर रही है और योजनाओं का लाभ गरीब, मजदूरों, किसानों को मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 14 लाख से अधिक सियानो को छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए उनके खाते में पेंशन की राशि दी जा रही है। वृद्धजनों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के साथ ही उनके उपचार के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बजट में 70 वर्ष से अधिक उम्र के वृद्धजनों के लिए आयुष्मान कार्ड के माध्यम से नि:शुल्क उपचार की सुविधा प्रदान की है। इसी कड़ी में हमने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया है कि सभी वृद्धजनों का आयुष्मान कार्ड बनाकर उन्हें नि:शुल्क उपचार की सुविधा प्रदान की जाए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हर बुजुर्गों की इच्छा होती है कि वह अपने जीवनकाल में एक बार तीर्थ यात्रा जाएं, उनकी भावनाओं और आस्था को ध्यान रखकर हमारी सरकार ने अयोध्या में रामलला के दर्शन की व्यवस्था की है। रेल, बस के माध्यम से अयोध्या जाने और आने के अलावा भोजन, ठहरने की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही है। इस योजना से माता कौशल्या की धरती छत्तीसगढ़ के लोग अपने भाँचा राम का दर्शन करने जा पा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि हमारी सरकार ने मोदी की गारंटी के तहत किसानों का भरपूर ख्याल रखा है।

उनसे 3100 रुपए में 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी और दो साल का बकाया बोनस की राशि भी प्रदान की है। हमारी सरकार द्वारा सरगुजा से लेकर बस्तर तक के तेंदूपत्ता श्रमिकों को लाभान्वित करने के लिए तेंदूपत्ता के प्रति मानक बोरा दर में वृद्धि कर 4000 से 5500 रुपए किया गया और 70 लाख से अधिक महिलाओं को आर्थिक लाभ पहुँचाने महतारी वंदन योजना लागू कर महीने में एक हजार की राशि महिलाओं के खाते भेजी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा अभी हमारी सरकार को महज नौ माह ही हुए हैं और प्रदेश के सभी वर्ग के लिए योजना बनाकर राज्य के विकास की दिशा में कार्य करते हुए हम आगे बढ़ रहे हैं, आने वाले समय में यहां विकास की गति और बढ़ेगी।

समारोह को सम्बोधित करते हुए जिले के प्रभारी एवं खाद्य मंत्री श्दयालदास बघेल ने कहा कि हमारे घर में माता-पिता और वृद्धजनों का सदैव सम्मान करना चाहिए। उनके सम्मान और आशीर्वाद से ही हम विकास की राह में आगे बढ़ रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार वृद्धजनों के कल्याण के लिए योजनाएं संचालित कर रही है। उनके लिए पेंशन, आश्रम, उपचार, पीएम आवास, निशुल्क अनाज, तीर्थ यात्रा की व्यवस्था की गई है। आदिम जाति कल्याण एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में गरीब, मजदूर, किसानों सहित अन्य सभी के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। राज्य के किसानों को धान का सर्वाधिक मूल्य दिया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ की तर्ज पर अब ओड़िशा में भी किसानों से होगी धान की खरीदी

ओड़िशा के खाद्य मंत्री कृष्ण चंद्र पात्र के नेतृत्व में आया है अध्ययन दल

रायपुर। छत्तीसगढ़ की तर्ज पर ओड़िशा में भी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जाएगी। ओड़िशा के खाद्य मंत्री कृष्ण चंद्र पात्रा के नेतृत्व में आए अध्ययन दल ने आज छत्तीसगढ़ में धान खरीदी व्यवस्था और पीडीएस सिस्टम का अवलोकन किया और इसकी तारीफ की। श्री पात्रा ने बताया कि अब छत्तीसगढ़ की तर्ज पर ओड़िसा में भी किसानों से समर्थन मूल्य के साथ-साथ अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि के साथ धान की खरीदी की जाएगी। ओड़िसा के मुख्यमंत्री श्री मोहन मांझी ने पहले कैबिनेट की बैठक में ही इस संबंध में निर्णय लिया गया है। ओड़िसा के खाद्य मंत्री कृष्ण चंद्र पात्रा ने कहा कि सरल और सहज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सुशासन की सरकार चल रही है। मुख्यमंत्री श्री साय की प्रशंसा करते हुए श्री पात्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति में खरा साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि ओड़िशा में भी भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने साय सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति अमल में लाई जाएगी।

ओड़िसा के खाद्य मंत्री श्री कृष्ण चंद्र पात्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ और ओड़िसा दोनों पड़ोसी राज्य है। डबल इंजन के सरकार के साथ दोनों राज्य तेज गति से विकास कर रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की ओर मंत्रियों द्वारा हमें हर संभव मदद के लिए आश्वस्त किया गया है। ओड़िसा में धान खरीदी व्यवस्था और पीडीएस सिस्टम में जहां-जहां कमी पाई जाएगी। छत्तीसगढ़ राज्य के सिस्टम का अनुकरण कर योजनाओं का और बेहतर ढंग से क्रियान्वयन किया जाएगा। श्री पात्रा ने कहा कि ओड़िशा में भी छत्तीसगढ़ की तर्ज पर धान खरीदी व्यवस्था लागू करने के लिए ओड़िशा का अध्ययन दल यहां आया है।

उन्होंने छत्तीसगढ़ के खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल और सहकारिता मंत्री केदार कश्यप से मुलाकात कर धान खरीदी व्यवस्था के संबंध में विस्तार से चर्चा की। साथ ही छत्तीसगढ़ शासन के संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर पावर पॉइंट प्रेजेनटेशन के माध्यम से एक-एक तथ्यों का बारीकी से अध्ययन किया। अध्ययन दल द्वारा कृषि उपज मंडी, अनाज गोदाम और शासकीय उचित मूल्य की दुकानों में जीरो पॉइंट पर जाकर सिस्टम का गहन रूप से अध्ययन किया गया।

भारतीय सेना की ताकत और कौशल को करीब से देखने का सुनहरा मौकाः बिग्रेडियर आनंद

भारतीय सेना की देशभक्ति जज्बा, शक्ति, क्षमताओं को देखकर युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा का होगा संचारः कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह

रायपुर। साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित सशस्त्र सैन्य समारोह के पूर्व आज पंडित दीनदयाल ऑडिटोरियम में बिग्रेडियर अमन आनंद (विशिष्ट सेवा मेडल) एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने प्रेसवार्ता लेकर आयोजन की तैयारियों के बारे में जानकारी साझा की। बिग्रेडियर अमन आनंद ने कहा कि भारतीय सेना की ताकत और कौशल को करीब से देखने को मिलेगा। युवाओं को भारतीय सेना में शामिल होने और देश की सेवा करने के लिए प्रेरित करने सशस्त्र सैन्य समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

आनंद ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से भारतीय सेना के कौशल एवं ताकत का प्रदर्शन देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को देश की सेवा करने के लिए प्रेरित करने एवं भारतीय सेना की शक्ति और क्षमताओं का प्रदर्शन किया जाएगा। इससे लोगों के बीच राष्ट्रवाद और देशभक्ति को बढ़ावा मिलेगा और नागरिक-सैन्य संबंध मजबूत के बारे में भी जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना से जुड़ने के लिए स्टॉल लगाए जाएंगे। इस आयोजन में बड़े-बड़े आधुनिक उपकरणों की प्रदर्शनी लगेगी। प्रमुख रूप से युद्ध के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले ड्रोन की प्रदर्शनी के माध्यम से देखने को मिलेगी। आनंद ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है और आयोजन को सफल बनाया जाएगा। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि भारतीय सेना की देश भक्ति जज्बा, शक्ति और क्षमताओं की ताकत सशस्त्र सैन्य समारोह में देखने को मिलेगा। भीष्म टैंक समेत अनेक उपकरणों का रोमांच देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में दंतेवाड़ा के प्रतिभावान युवा घुड़सवारी के माध्यम से के कौशल दिखाई देंगे। कलेक्टर ने कहा कि आम नागरिकों के लिए साइंस कॉलेज मैदान तक पहुंचने के लिए अलग-अलग स्थानों से बस चलाए जाएंगे।

अधिक से अधिक संख्या में लोगों के पहुंचने का आग्रह किया। कलेक्टर ने कहा कि छत्तीसगढ़ के युवाओं में ऐसे आयोजन होने के बाद सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा और भारतीय सेना में जाने के लिए प्रोत्साहित होंगे। इस अवसर पर कर्नल श्री सुदीप बोस, श्री सुमीत शर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप भी उपस्थित थे।

अमित जोगी ने किया कांग्रेस की न्याय यात्रा का स्वागत, कहा- मौका? मिला तो होंगे शामिल

रायपुर। कांग्रेस की न्याय यात्रा का छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस के प्रमुख अमित जोगी ने स्वागत किया है। साथ ही उन्होंने कहा है कि बलौदा बाजार में सतनामी समाज के साथ अन्याय हुआ है। अगर उन्हें मौका मिला तो वे कांग्रेस की न्याय यात्रा में जरूर शामिल होंगे। उन्होंने छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच नदियों के जल विवाद को जल्द सुलझाने की अपील सरकार से की है। दरअसल बस्तर दौरे पर पहुंचे छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस के सुप्रीमो अमित जोगी ने मंगलवार को सर्किट हाउस में पत्रकारवार्ता को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच महानदी और इंद्रावती नदी के विवाद को जल्द सुलझाने की अपील सरकार से की। उन्होंने कहा लंबे अरसे के बाद दोनों ही राज्यों में भाजपा की सरकारें है। ऐसे में दोनों ही राज्यों को चाहिए की जल्द नदियों के जल विवाद को खत्म करें।

कारोबारी श्रीवास्तव की अग्रिम जमानत याचिका पर अगली सुनवाई 7 को

बिलासपुर। हाई कोर्ट में मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के करीबी और अनुरागी धाम के कर्ता-धर्ता कारोबारी केके श्रीवास्तव की अग्रिम जमानत पर सुनवाई हुई. मामले की अगली सुनवाई 7 अक्टूबर को होगी. दरअसल, ब्लैक स्मिथ कंपनी के कारोबारी केके श्रीवास्तव और उनकी पत्नी कंचन श्रीवास्तव के खिलाफ रायपुर पुलिस ने करोड़ों रुपए की ठगी का जुर्म दर्ज किया है. केके श्रीवास्तव पर आरोप है कि उन्होंने दिल्ली की एक कंस्ट्रक्शन कंपनी को 500 करोड़ रुपए के स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट का ठेका दिलाने का वादा किया था, जिसके बदले में कंपनी ने 15 करोड़ रुपए दिए, लेकिन कोई ठेका नहीं मिला.

रविवि में आधीरात छात्रों का अर्धनग्न प्रदर्शन

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विवि के हॉस्टल के छात्र जातिगत भेदभाव करने पर कैंपस में आधीरात अर्धनग्न प्रदर्शन किया। छात्रों ने कहा कि उन्हें प्रताड़ित किया गया, निजी कार्य कराया जा रहा है। छात्रों का कहना है कि कुलसचिव ने धमकाया है। वार्डन ने प्रताड़ित किया। मामला रविवि के शहीद चंद्रशेखर आजाद छात्रावास का है।इस दौरान छात्रों ने हॉस्टल में रहने के बजाय पं. रविशंकर शुक्ल की प्रतिमा के नीचे ही पूरी रात बिताई। वार्डन कमलेश शुक्ला पर एफआईआर और कड़ी कार्रवाई की मांग पर अड़े हैं। आजाद छात्रावास के छात्रों ने रविवि की प्रिवेंस कमेटी के अध्यक्ष, सांसद और मंत्री सहित अन्य लोगों को पत्र लिखा है।

जल्द जारी होगा सूबेदार-एसआई भर्ती का रिजल्ट

रायपुर। राज्य सरकार ने राज्य पुलिस में सूबेदार और उप निरीक्षक (एसआई) कैडर के लिए 341 नए पदों को मंजूरी दे दी है। इन पदों के लिए विज्ञापन जारी करने की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं, और पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) द्वारा विज्ञापन तैयार कर लिया गया है। यह विज्ञापन आज या कल में जारी होने की संभावना है। इसके साथ ही, 2018 से अटकी पड़ी सूबेदार और एसआई कैडर की भर्ती का रिजल्ट भी जारी करने की प्रक्रिया तेज हो गई है। नए विज्ञापन के जारी होने के अगले ही दिन 2018 की भर्ती का रिजल्ट भी घोषित कर दिया जाएगा। 2018 में सूबेदार, एसआई और प्लाटून कमांडर सहित 975 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी।

सिंथेटिक ड्रग्स तस्करी का भंडाफोड़

रायपुर। रायपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे निजात अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने सिंथेटिक ड्रग्स के एक अंतरराज्यीय नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए कई तस्करों को गिरफ्तार किया है। इस ऑपरेशन में हिमाचल प्रदेश से लेकर दिल्ली तक छापेमारी की गई, जिसमें नाइजीरिया के एक मुख्य तस्कर सहित कुल 7 आरोपी गिरफ्तार किए गए। इस ड्रग्स रैकेट का सरगना नाइजीरियन नागरिक मिस्टर इनोसेंट ओलोचुकु था, जिसे दिल्ली के उत्तम नगर इलाके से गिरफ्तार किया गया। इस अभियान में कुल 124 ग्राम एम.डी.एम.ए. (कोकीन), 98 एम.डी.एम.ए. टैबलेट्स, चरस, हथियार, मोबाइल फोन और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई, जिसकी कुल कीमत लगभग 25 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस की सफलताएँ और गिरफ्तारियाँ- रायपुर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट (एसीसीयू) और टिकरापारा पुलिस की टीम ने यह कार्रवाई की। इस ऑपरेशन के तहत सबसे पहले 23 सितंबर 2024 को टिकरापारा इलाके में शुभम सोनी (उर्फ पैब्लो एस्कोबार), अभिषेक साहू और सोनू अग्रवाल को गिरफ्तार किया गया था। इनके पास से 98 नग एम.डी.एम.ए टैबलेट्स, 65 ग्राम एम.डी.एम.ए (कोकीन), चार पैकेट चरस और 16 लाख रुपए की नगदी बरामद की गई थी। इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की, जिससे अन्य तस्करों की जानकारी सामने आई। 25 सितंबर 2024 को पुलिस ने रायपुर के मुख्य सप्लायर आर्यन ठाकरे को भी गिरफ्तार किया, जिसके बाद हिमाचल प्रदेश और दिल्ली में छिपे तस्करों तक पहुंचने का रास्ता साफ हुआ।

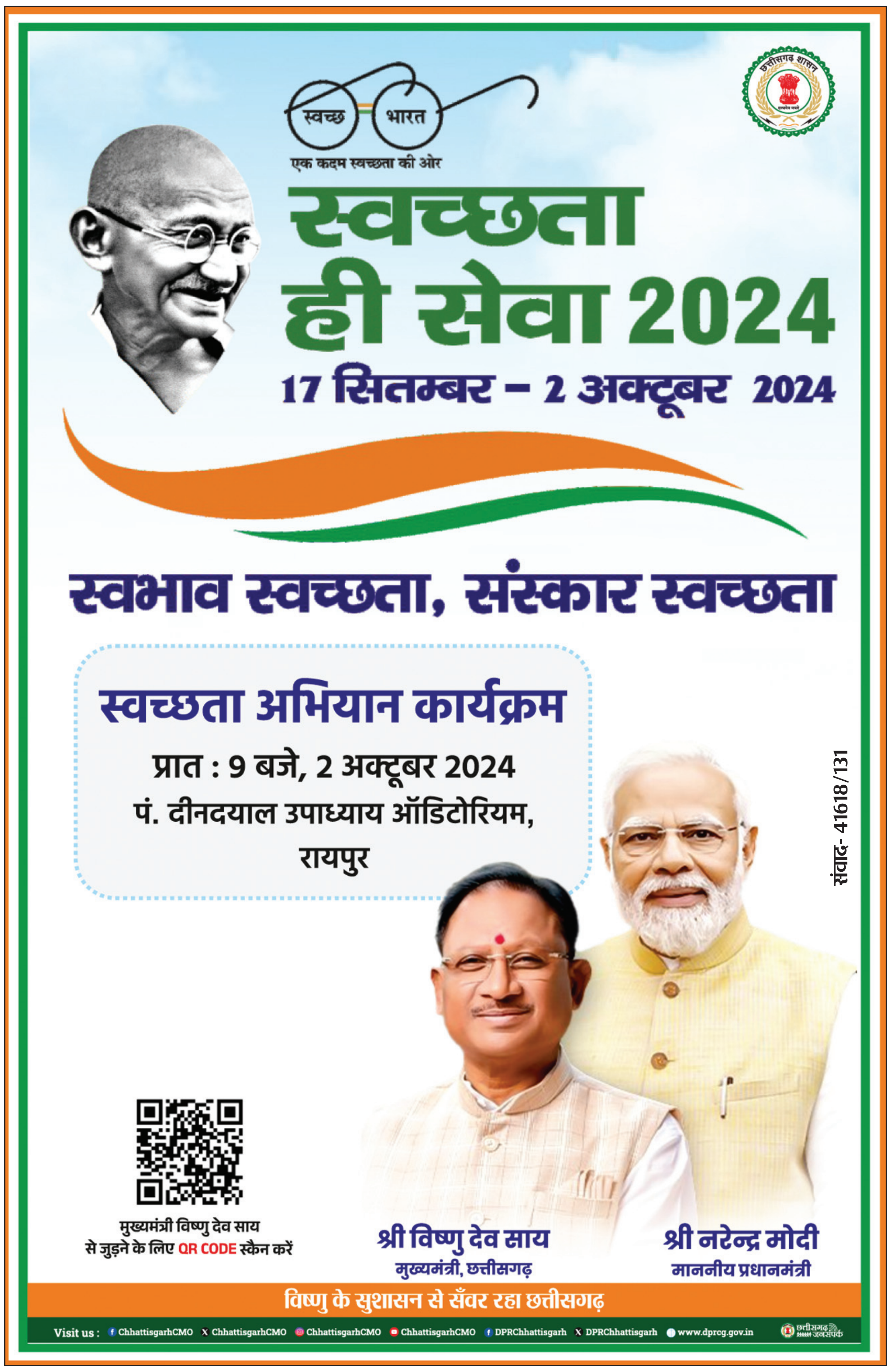

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.